सांध्य दैनिक
RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 343 www.shreekanchanpath.com संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत-स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल
भिलाई, सोमवार 25 सितंबर 2023 पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

हर बार नेतृत्व बदलने का रिकार्ड क्या इस बार कायम रख पाएगा भिलाई

श्रीकंचनपथ न्यूज डेस्क

भिलाई। भिलाई का राजनीतिक माहौल परिवर्तन का रहा है। यहां हर बार विधानसभा चुनाव के नतीजे बदलते हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या इस बार भी पिछले नतीजे बदलने का रिकार्ड कायम रहेगा? दरअसल, भिलाई विधानसभा क्षेत्र का इतिहास रहा है कि यहां प्रत्येक चुनाव में कांग्रेस व भाजपा परस्पर नतीजे बदलते रहे हैं। छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के बाद से अब तक का रिकार्ड बताता है कि यहां कांग्रेस के बीडी कुरैशी और भाजपा के प्रेमप्रकाश पाण्डेय के मध्य मुकाबला होता रहा है, जिसमें एक बार भाजपा तो अगली बार कांग्रेस जीतती रही है। विगत 2018 के चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने इस सीट से अपना प्रत्याशी बदल दिया था। इस चुनाव में कांग्रेस के युवा नेता देवेन्द्र यादव ने जीत हासिल की थी। नतीजतन भाजपा इस बार जीत की उम्मीद कर रही है। हालांकि भाजपा व कांग्रेस दोनों दलों ने अब तक अपने प्रत्याशी घोषित नहीं किए हैं, लेकिन भाजपा से पूर्व मंत्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय की टिकट तय मानी जा रही है। वहीं सिटिंग विधायक होने के नाते कांग्रेस से देवेन्द्र यादव का टिकट भी फायनल है।

मिनी इंडिया के नाम से चर्चित भिलाई नगर क्षेत्र पर सदैव शीर्षस्थ नेताओं की नजर रही है। विगत 25 वर्षों का इतिहास देखें तो यहां से कांग्रेस अल्पसंख्यक कोटे से बदरूद्दीन कुरैशी को टिकट देती रही। राज्य निर्माण के बाद 2003 में यहां पहला चुनाव हुआ था। इस चुनाव में प्रदेश में पहली बार डॉ. रमन सिंह की अगुवाई में भाजपा की सरकार बनी। इस समय भिलाई नगर सीट से भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रेमप्रकाश पाण्डेय ने कांग्रेस के बदरूद्दीन कुरैशी को 15,000 से ज्यादा मतों से पराजित किया था। इस जीत के बाद श्री पाण्डेय छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष बनाए गए। हालांकि वे इसके अगले चुनाव में अपनी जीत के सिलसिले को कायम नहीं रख पाए। 2008 में एक बार फिर दोनों परंपरागत प्रतिद्वंद्वी आमने-सामने थे। इस बार कांग्रेस के बीडी कुरैशी ने भाजपा के प्रेमप्रकाश पाण्डेय को 8,000 से ज्यादा मतों से हराया। 2013 में एक बार फिर प्रेमप्रकाश पाण्डेय 17,000 से ज्यादा मतों से विजयी हुए। इस बार चुनाव जीतने के बाद उन्हें छत्तीसगढ़ सरकार में कई महत्वपूर्ण विभागों का मंत्री बनाया गया। लेकिन यह विडंबना ही रही कि विधानसभाध्यक्ष और केबिनेट मंत्री जैसे अहम् पदों पर रहने के बाद भी वे अगला चुनाव हारते रहे। 2018 में पहली बार कांग्रेस ने युवा नेता के रूप में देवेन्द्र यादव को प्रत्याशी बनाया। इस समय देवेन्द्र भिलाई नगर के महापौर थे। भाजपा ने एक बार फिर अपने कद्दावर नेता प्रेमप्रकाश पाण्डेय पर दाँव लगाया, लेकिन भाजपा का दाँव एक बार फिर फेल हो गया। हर बार नतीजे बदलने वाले इस विधानसभा क्षेत्र ने एक बार फिर पलटी मार दी। इस बार कांग्रेस के देवेन्द्र यादव 2,000 से ज्यादा मतों से विजयी रहे। देवेन्द्र यादव को इस 51,044 वोट मिले थे, वहीं श्री पाण्डेय को 48,195 मत हासिल हुए थे।

डेढ़ लाख मतदाता करेंगे फैसला

विधानसभा चुनाव को अब महज गिनती के दिन रह गए हैं। क्षेत्र में कुल करीब डेढ़ लाख मतदाता हैं। इनमें 76 हजार 484 पुरूष व 72 हजार 498 महिला मतदाता हैं। छत्तीसगढ़ का यह संभवत: ऐसा इकलौता विधानसभा क्षेत्र है, जहां सभी समाज के लोग शांतिपूर्ण निवास करते हैं। यहां टाउनशिप के मतदाता ही आमतौर पर प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करते हैं। दोनों ही दलों का मुख्य फोकस भी विभिन्न प्रांतों के मतदाताओं और श्रमिक संगठनों पर रहता है। वर्तमान में भाजपा व कांग्रेस दोनों ही सामाजिक लामबंदी में जुटे हुए हैं। भिलाई को मिनी इंडिया कहा जाता है। यहां हर प्रांत, संप्रदाय, धर्म व जाति के लोग रहते हैं। माना जाता है कि इन्हीं मतदाताओं के बीच से ही जीत निकलकर आती है। मुद्दों की बात करें तो कांग्रेस यहां अपने पंचवर्षीय कार्यकाल में कराए गए विकास कार्यों के आधार पर चुनाव मैदान में उतरने जा रही है, वहीं भाजपा अपने कार्यकाल में कराए गए कार्यों और वर्तमान विधायक की श्रेय लेने की नीति को मुद्दा बना रही है। 2018 के पहले तक भिलाई नगर सीट को हाई प्रोफाइल सीट माना जाता था, लेकिन प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद सत्ता में दुर्ग जिले को अत्यधिक महत्व मिलने से अब जिले की पाटन, दुर्ग ग्रामीण व अहिवारा जैसी सीटों को हाई प्रोफाइल कहा जाता है।

भाजपा का आरोप,- कांग्रेस ने सिर्फ श्रेय लिया

चुनावी बिसात बिछाने में माहिर पूर्वमंत्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय ने अपने चुनाव अभियान का श्रीगणेश कर दिया है। विभिन्न समाजों की बैठकें लेने से लेकर सोशल मीडिया में सक्रियता और परिवर्तन यात्रा के दौरान उनकी चुनाव तैयारियां देखने को मिलती है। इसके अलावा अंदरूनी तौर पर भी श्री पाण्डेय संगठन में कसावट लाने और कार्यकर्ताओं को चार्ज करने में कामयाब रहे हैं। श्री पाण्डेय का आरोप है कि कांग्रेस के लोग भाजपा कार्यकाल के दौरान के कार्यों के सिर्फ फीते काट रहे हैं। उनके मुताबिक, कांग्रेस के लोग श्रेय लेने में माहिर है और ऐसे कार्यों का भी श्रेय लेने से पीछे नहीं है, जो भाजपा के कार्यकाल में कराए गए। मसलन केनाल रोड और श्रीराम चौंक स्थित मैदान का जीर्णोद्धार स्वयं उनकी (श्री पाण्डेय) अगुवाई में हुआ था, लेकिन सरकार बदलने के बाद कांग्रेस ने इन कार्यों को अपना बनाया। बालाजी नगर स्थित जिस स्कूल को आत्मानंद स्कूल बनाया गया है, उसका जीर्णोद्धार श्री भाजपा शासनकाल के दौरान श्री पाण्डेय ने कराया था। इस हिंदी माध्यम स्कूल को तब अंग्रेजी माध्यम में बदला गया था। इसके अलावा उच्च शिक्षा के मद्देनजर खुर्सीपार क्षेत्र में शासकीय नवीन महाविद्यालय की स्थापना भी भाजपा शासन के दौरान की गई थी, जिसे आज कांग्रेस के लोग अपनी उपलब्धि बता रहे हैं। भाजपा के कार्यों पर मेड इन कांग्रेस का सिर्फ ठप्पा लगाया जा रहा है।

हॉफ बिजली बिल व लीज नवीनीकरण पर उठाए सवाल

जिन कार्यों का कांग्रेस श्रेय लेने की फिराक में रही है, उनके पीछे की सच्चाई बताने में भी पूर्वमंत्री श्री पाण्डेय पीछे नहीं रहे हैं। एक जागरूक जनप्रतिनिधि के रूप में वे नागरिकों को यह बताते रहे हैं कि जिन कार्यों को बढ़ा-चढ़ाकर और महिमामंडित कर प्रस्तुत किया जा रहा है, उसके पीछे की वास्तविकता क्या है? कांग्रेस ने जब ऐलान किया कि अब टाउनशिप वासियों को भी हॉफ बिजली बिल योजना का लाभ मिलेगा, तब श्री पाण्डेय ने ही नागरिकों से संवाद कर तथ्यात्मक पहलू सामने रखे। इसी तरह जब संयंत्र आवासों की रजिस्ट्री को लेकर जोर-शोर से प्रचार शुरू किया गया, तब भी श्री पाण्डेय ही सामने आए कि संयंत्र आवासों का मालिकाना हक मिलना संभव नहीं है और जो कुछ हो रहा है, वह सिर्फ लीज का नवीनीकरण है। श्री पाण्डेय ने अपने विधायकी और मंत्री कार्यकाल के दौरान बड़े और महत्वपूर्ण कार्यों को पूरी प्राथमिकता से कराया था। वे आज भी इन मुद्दों को लेकर चुनाव मैदान में उतरने को तैयार हैं। सर्वविदित है कि जिस आईआईटी की स्थापना भिलाई में होने जा रही है, उसे रायपुर में स्थानांतरित करने की पूरी तैयारी कर ली गई थी। तब श्री पाण्डेय ने रायपुर से लेकर दिल्ली तक खूब प्रयास कर आईआईटी की स्थापना भिलाई में ही करवाने रात-दिन एक कर दिया था। इसी तरह भिलाई की बहुसंख्य जनता को गर्मियों के मौसम में पानी के लिए त्राहि-त्राहि करते देख श्री पाण्डेय ने शिवनाथ नदी से पानी लाकर भिलाई की प्यास बुझाने का बीड़ा उठाया था। उन्हीं के भागीरथ प्रयासों से लोगों को घर-घर पानी मिलना मयस्सर हो पाया। इसी के बाद उन्हें भिलाई की जनता ने पानी वाले बाबा की उपाधि दी थी।

जगदलपुर में रेल यातायात ठप, रेलवे ट्रैक पर लैंड स्लाइड से रद्द हुई कई ट्रेनें, मेंटेनेंस में जुटा रेलवे अमला

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले को आंध्रप्रदेश से जोड़ने वाली केके लाइन पर यातयात ठप हो गया गया है। इसकी वजह रेलवे ट्रैक पर लैंडस्लाइड है। ओडिशा के मनाबार और जरती रेलवे स्टेशन के बीच केके (किरंदुल-कोत्तावालसा) रेलवे लाइन पर रविवार को पहाड़ से चट्टान टूटकर गिर गया। जिसके कारण इस रूट पर ट्रेनों की आवाजाही बंद हो गई है। रेलवे का अमला इसे ठीक करने में लगा हुआ है।

बता दें इन दिनों छत्तीसगढ़, ओडिशा व आंध्रप्रदेश में भारी बारिश हो रही है। बारिश के चलते बस्तर को आंध्र प्रदेश के कोत्तावालसा से जोड़ने वाली केके रेल लाइन पर लैंडस्लाइड हो गया। लैंडस्लाइड होने से रेल यातायाता पूरी तरह से ठप हो गया। लैंड स्लाइड होने के कारण कई ट्रेनों की आवाजाही पर असर पड़ा है। रेलवे ने इस रूट पर कई ट्रेनों को रद्द कर दिया वहीं कुछ ट्रेनों को कोरापुट रेलवे स्टेशन पर रोका गया है। हादसे की सूचना मिलने के बाद रेलवे के अफ्सर राहत टीम के साथ मौके पर पहुंच गए हैं। ट्रैक से पत्थर और मिट्टी हटाने का काम जारी है। अफ्सरों ने बताया हादसे की सूचना मिलने के बाद ट्रैक को ठीक करवाने का कार्य जारी है। बड़े अधिकारी पूरे कार्य की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। रेलवे लाइन बाधित होने की वजह से करीब 10 यात्री ट्रेनों को रद्द और 6 यात्री ट्रेनों के मार्ग बदले गए हैं।

फूड इंडस्ट्री और एग्रीकल्चर का तराजू

श्रीकंचनपथ न्यूज

अधिकांश लोगों को ऐसा लगता होगा कि खेती किसानी और खाद्य उद्योग एक ही चीज है. ये दोनों न केवल अलग हैं बल्कि तराजू के दो पलड़ों में इन्हें अलग-अलग रख दो तो किसान आसमान की ओर चले जाएंगे। आज दुनिया भर के किसान मर रहे हैं। उन्हें अपनी उपज की कीमत नहीं मिल रही। जबकि उन्हीं उत्पादों का उपयोग कर प्रसंस्करण उद्योग मालामाल हो रहा है। इसमें सबसे बड़ा रोड़ा है सरकार की नीतियां। केन्द्र सरकार धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य तय करती है। साथ ही यह शर्त भी चिपका देती है कि यदि राज्य सरकार ने इससे ज्यादा की बोनस राशि दी तो फिर केन्द्र धान खरीदी से हाथ खींच लेगा। पूरी खरीदी राज्य को ही करनी पड़ेगी। इस डर से राज्य की सरकारें धान के समर्थन मूल्य पर ज्यादा बोनस नहीं दे पाती। जबकि यह मूल्य इतना कम है कि कृषि मजदूरों के हिस्से में कुछ भी नहीं आता। फसल खराब होने की स्थिति में किसान खुद कर्ज से लद जाता है और या तो जेल चला जाता है या फिर खुदकुशी कर लेता है। कृषि और कृषि आधारित उद्योग की बात करें तो किसान को धान का जहां मुश्किल से प्रति किलो 22-24 रुपए मिलता है वहीं उससे निकला चावल 50 से 65 रुपए किलो बिकता है। इसी चावल से बनाया गया मुर्रा 250 से 300 रुपए किलो बिकता है। देश के मशहूर कृषि विशेषज्ञ देविंदर शर्मा का मानना है कि यदि स्थिति में बदलाव नहीं आया तो 2050 तक देश दुनिया भर में केवल 5 प्रतिशत ही किसान रह जाएंगे। वो इस बात से भी खफा थे कि कारोबारियों का हजारों करोड़ का कर्जमाफ हो जाता है लेकिन किसानों को जेल हो जाती है। वो कहते हैं कि खुद को बचाने का हथियार भी किसानों के पास ही है। देश के आधी आबादी किसानों की है। 60 करोड़ लोग खेती से प्रत्यक्ष जुड़े हैं। ये 60 करोड लोग अगर ठान लें तो उनकी अपनी सरकार बन सकती है। जब तक वे अपने वोट का इस्तेमाल ठीक नहीं करते हैं, दूसरे तरीके की सरकारें ही बनती रहेंगी। इन 60 करोड़ लोगों को किसानी के आधार पर वोट डालना चाहिए। किसान होने के नाते वोट डालना चाहिए। धर्म, जाति या पॉलीटिकल आईडियोलॉजी के नाम पर वोट देंगे तो ये खुद मरेंगे। यही हो रहा है किसानों के साथ। पिछले 70-75 सालों से सरकारें उनकी आय को दोगुना करने की बातें कर रही हैं पर वास्तविकता के धरातल पर कुछ नहीं हो रहा है। इस मामले में देविंदर छत्तीसगढ़ सरकार के साथ खड़े नजर आते हैं। वे कहते हैं कि पारम्परिक खेती की तरफ बढ़ना, भूजल के लिए नरवा योजना चलाना, आर्गेनिक खेती की तरफकदम बढ़ाना, ये सभी शुभ संकेत हैं। यह सरकार किसानों के हाथ तक ज्यादा से ज्यादा पैसा पहुंचाने की कोशिश कर रही है। इससे राज्य की पूरी अर्थव्यवस्था पुष्ट हो रही है।

संपादकीय

भूकंप का खतरा

वाडिया हिमालय भू-विज्ञान संस्थान के वैज्ञानिकों का ताजा शोध बताता है कि हिमालय की तलहटी में धरती को चीर देने वाले भूकंप भी पहले आ चुके हैं। हरिद्वार के पास लालढांग में कम से कम दो बार वर्ष 1344 और 1505 में आठ से ज्यादा मैग्नीट्यूड के भूकंप आने के सबूत मिले हैं, जिनसे एक इलाके में जमीन 13 मीटर ऊपर उठ गई थी। लालढांग से लेकर रामनगर, टनकपुर और नेपाल तक जमीन पर करीब 200 किलोमीटर लंबी दरार पड़ गई थी। तब अनगिनत लोग और घर इस भूकंप की भेंट चढ़े होंगे। हरिद्वार से नेपाल तक धरती पर पड़ी दरार के कारण प्राकृतिक स्वरूप में, विशेषकर जलस्त्रोतों में बड़ा बदलाव हुआ होगा। क्या उस तरह के भयावह भूकंप भविष्य में भी आ सकते हैं? तब से अब तक करीब एक हजार साल में जनसंख्या काफी बढ़ चुकी है। पिछले सौ वर्ष में तो अंधाधुंध निर्माण हुए हैं। बहुमंजिला इमारतों का प्रचलन बढ़ा है। अब यदि 13वीं सदी जैसा शक्तिशाली भूकंप आया, तो स्वाभाविक रूप से जनहानि कई गुना अधिक होगी, त्रासदी का अनुमान लगाना भी कठिन है। क्या वैसी बड़ी आपदा का सामना करने के लिए हम तैयार हैं? भूकंप कब, कहां और कितनी तीव्रता का आएगा, इसके पूर्वानुमान की तकनीक अभी तक उपलब्ध नहीं है। भू-वैज्ञानिकों ने भूकंप के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्रों की शिनाख्त अवश्य की है। भारत को चार जोन में बांटा गया है। सबसे कम खतरे वाला इलाका जोन- दो कहलाता है। इसमें दक्षिण भारत आता है। जोन- तीन में मध्य भारत को रखा गया है। जोन- चार तुलनात्मक रूप से ज्यादा खतरनाक है, जिसमें उत्तर प्रदेश का ज्यादातर क्षेत्र, उत्तराखंड का निचला हिस्सा और दिल्ली शामिल हैं। सबसे खतरनाक जोन- पांच में जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड आते हैं। बीते सवा सौ साल के इतिहास पर नजर डालने से पता चलता है कि भारत में सबसे शक्तिशाली पांच में से चार भूकंप हिमालय या उसकी तलहटी से सटे राज्यों में आए। उत्तर भारत अत्यंत संवेदनशील है, पर पांचवां बड़ा विनाशकारी भूकंप गुजरात के भुज में आने का मतलब है कि देश का पश्चिमी इलाका भी खतरे की जद में है। लिहाजा पूरे देश को ध्यान में रखते हुए हमें योजनाएं बनानी होंगी। लोगों की आवासीय जरूरतों को पूरा करने के लिए बड़े पैमाने पर घरों का निर्माण हो रहा है। स्कूल, अस्पताल, पुल, फ्लाईओवर, सुरंग समेत अनेक परियोजनाएं निरंतर बन रही हैं। ऐसे में, 13वीं और 15वीं शताब्दी के भयावह भूकंप का वैज्ञानिक खुलासा जनता और सरकार, दोनों के लिए सबक होना चाहिए। सड़कों के निर्माण के लिए बेतरतीब तरीके से पहाड़ काटे जा रहे हैं। कई जगह उनमें सुरंगे भी बनाई जा रही हैं। पहाड़ों पर चार-पांच मंजिल तक निर्माण अब आम हो चुका है, पर उनमें भूकंपरोधी उपाय नहीं किए जा रहे हैं। प्राकृतिक आपदा के वक्त एक भवन गिरने का असर दूसरे पर और दूसरे का असर तीसरे पर आता है और एक के बाद एक मकान जमींदोज होते चले जाते हैं। इसी तरह, मैदानी इलाकों में बनाई जा रही गगनचुंबी इमारतें यदि भूकंपरोधी क्षमता वाली नहीं होंगी, तो बड़े भूकंप की स्थिति में त्रासदी भयानक साबित हो सकती है। इसलिए, लगातार भूकंप का सामना करने वाले जापान जैसे देशों से सीखा जा सकता है कि वहां जान-माल की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जाती है। अगर सीखना नहीं है, तो फिर हमें खामियाजा भुगतने को तैयार रहना होगा।

> " स्कूल, अस्पताल, पुल, फ्लाईओवर, सुरंग समेत अनेक परियोजनाएं निरंतर बन रही हैं। ऐसे में, 13वीं और 15वीं शताब्दी के भयावह भूकंप का वैज्ञानिक खुलासा जनता और सरकार, दोनों के लिए सबक होना चाहिए। सड़कों के निर्माण के लिए बेतरतीब तरीके से पहाड़ काटे जा रहे हैं।

महिला आरक्षण 2029 से या 2034 से?

इसको लेकर बड़ा कंफ्यूजन है कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार जो महिला आरक्षण बिल पास करा कर कानून बना रही है वह कब से लागू होगा? यह सबको पता चल गया है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में यह नहीं लागू होने जा रहा है। लेकिन यह 2029 के लोकसभा चुनाव से लागू होगा या उसके बाद भी पांच साल यानी 2034 तक इंतजार करना होगा, इसे लेकर कंफ्यूजन है। यह कंफ्यूजन सरकार विरोधी कुछ यूट्यूबर्स ने फैलाया और उसे कांग्रेस नेता गुरदीप सिंह सप्पल ने और बढ़ा दिया। सप्पल ने ट्विटर यानी एक्स पर एक पोस्ट में दावा किया कि यह बिल 2029 में भी लागू नहीं हो पाएगा। उन्होंने 2002 के परिसीमन और उसके बाद उस पर रोक लगाने वाले संविधान संशोधन कानून के आधार पर यह दावा किया कि महिला आरक्षण के लिए अभी और इंतजार करना होगा हैरानी की बात है कि लोकसभा में अमित शाह द्वारा स्थिति स्पष्ट करने के बावजूद कंफ्यूजन बना हुआ है।

अमित शाह ने बहुत साफ शब्दों में कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव के तुरंत बाद जनगणना और परिसीमन का काम होगा। इसके बाद संशय खत्म हो जाना चाहिए था। लेकिन फिर भी राजनीतिक कारणों से विवाद चल रहा है। असल में 2002 में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार की ओर से किए गए संशोधन में यह प्रावधान किया गया था कि 2026 से पहले लोकसभा सीटों का परिसीमन नहीं होगा। उसमें यह भी कहा गया था कि 2026 के बाद परिसीमन की छूट होगी लेकिन वह उसके बाद होने वाली जनगणना के आंकड़ों पर होगी। उस कानून के मुताबिक 2026 में परिसीमन का रास्ता तो साफ हो जाएगा लेकिन वह 2031 की जनगणना के आंकड़ों पर ही होगा। इसी को आधार बना कर दावा किया जा रहा है कि उस जनगणना के आंकड़े 2032-33 में आएंगे और उसके बाद परिसीमन होगा इसलिए महिल आरक्षण 2034 या 2039 में लागू होगा। लेकिन ऐसा दावा करने वाले यह भूल जा रहे हैं कि जनगणना का चक्र अब बदल गया है। 2021 में जनगणना नहीं हुई है और वह जनगणना 2024-25 में होगी इसलिए 2026 के बाद परिसीमन के लिए 2031 की जनगणना का इंतजार नहीं करना होगा। दूसरे, अगर इसके रास्ते में कोई कानूनी बाधा आती है तो सरकार जब चाहे तब संशोधन करके समय सीमा बदल सकती है, जैसे वाजपेयी सरकार ने बदला था।

नए संसद भवन में हीरोइनों का जमावड़ा

नए संसद भवन में कामकाज की शुरुआत और महिला आरक्षण बिल पास होने के मौके पर नारी सशक्तिकरण के प्रदर्शन के लिए भाजपा और केंद्र सरकार ने जो प्रतीक चुना वह हैरान करने वाला था। सशक्त महिला के तौर पर सिर्फ फिल्मी हिरोइन्स को संसद भवन बुलाया गया। दो-चार महिला खिलाड़ी भी पहुंचीं लेकिन वे रिटायर हो चुकी हैं या करियर के आखिरी दौर में हैं। यह हैरान करने वाली बात है क्योंकि जितनी संख्या में अभिनेत्रियां संसद में पहुंचीं और उनके वीडियो व फोटोज सोशल मीडिया में शेयर हुए उससे अनेक लोगों को यह कहने का मौका मिला कि केंद्र सरकार जिस तरह का बिल ले आई है उसके कानून बनने के बाद इसी तरह की महिलाएं संसद में पहुंचेंगी। बिना ओबीसी आरक्षण के महिला बिल पेश होने पर शरद यादव ने जो कहा था एक तरह से वह देखने को मिला। बहरहाल, नए संसद भवन में 19 सितंबर से कामकाज शुरू हुआ और उसी दिन महिला आरक्षण बिल पेश हुआ। उस दिन से 21 सितंबर तक यानी संसद का विशेष सत्र खत्म होने तक के तीन दिन में कई अभिनेत्रियां संसद में पहुंचीं। भाजपा के सांसदों ने और यहां तक कि कैबिनेट मंत्रियों तक ने उनके साथ फोटो खिंचवाई। एक बड़े चैनल की बड़ी एंकर ने तो एक हीरोइन का इंटरव्यू भी किया, जिसमें उन्होंने कहा कि 2014 से पहले लोग देश के राष्ट्रपति तक का नाम नहीं जानते थे। बहरहाल 19 से 21 सितंबर के बीच तीन दिन में कंगना रनौत, भूमि पेडनेकर, ईशा गुप्ता, तमन्ना भाटिया, दिव्या दत्ता, कीर्ति कुल्हड़ी, शहनाज गिल, स्मृति कालरा, सपना चौधरी आदि संसद भवन में पहुंचे।

> " कई राजनीतिशास्त्रियों ने लिखा है कि दुनिया के सारे बहुदलीय लोकतंत्र आखिर में दो दलीय व्यवस्था में बदल जाने को अभिशप्त होते हैं। एक दल का प्रभुत्व जब बढ़ता है, तो बाकी ज्यादातर दल मिलकर उसके खिलाफमोर्चा बना लेते हैं और व्यावहारिक रूप से दो दलीय व्यवस्था ही बन जाती है, लेकिन भारत में 1977 के उदहारण को छोड़ दें, तो ऐसा कभी हुआ नहीं।

अगर टूट से बचकर जुड़ा रह जाए विपक्ष

हरजिंदर, वरिष्ठ पत्रकार

आशंकाएं अक्सर हकीकत से बहुत आगे भागती हैं। जिस शाम यह खबर आई कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने महिला आरक्षण से जुड़े विधेयक को हरी झंडी दे दी है, इसे मास्टर स्ट्रोक बताते हुए कई विश्लेषकों ने 'इंडिया' गठजोड़ के लिए श्रद्धांजलि तैयार करनी शुरू कर दी। कहा गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस फैसले से विपक्षी गठजोड़ की दुखती रग पर चोट की है। उन्हें लगता था, इस फैसले से सबकी अपनी राजनीति के सामने धर्मसंकट खड़ा हो जाएगा और गठजोड़ के बहुत सारे छिपे हुए अंतर्विरोध सतह पर आ जाएंगे।

इसके साथ ही 2010 के वे सारे दृश्य याद आ गए, जब राज्यसभा में बिल पेश करते समय महिला सांसदों ने कानून मंत्री हंसराज भारद्वाज के आस-पास सुरक्षा घेरा बना लिया था। उस मौके पर जो दल अशोभनीय दृश्यों का कारण बने थे, वे सभी इस समय विपक्षी गठजोड़ 'इंडिया' में अच्छी हैसियत में हैं। आशंकाओं के पीछे से वे सारी स्मृतियां झांक रही थीं। भारत में विपक्षी एकता का इतिहास यही रहा है कि उसकी जमीन के नीचे जब खदबदाहट शुरू होती है, तो फिर बिखराव किसी के रोके से नहीं रुकता है। इसलिए सारे डर स्वाभाविक ही थे, लेकिन ऐसा कुछ हुआ नहीं। साल 2010 में जिस तरह विधेयक के लिए उनमें तलवारें खिंच गई थीं, इस बार वैसा ही विधेयक आने पर किसी ने धैर्य नहीं खोया। इतना ही नहीं, उन्होंने विधेयक के समर्थन में वोट भी दे दिया।

आप कह सकते हैं कि इस बार विरोध का कोई मतलब भी नहीं था, विधेयक तो वैसे भी पास हो ही जाना था। विरोध अगर उग्र होता, तो छह महीने बाद होने वाले आम चुनाव में सबको नुकसान होता, लेकिन नुकसान की परवाह इस बार वे सियासी दल कर रहे थे, जो इसके पहले तक ऐसी परवाह नहीं किया करते थे।

यहां इस आरक्षण विधेयक से अलग कुछ और बातों पर गौर कर लेते हैं। कुछ ही समय पहले गठबंधन के संयोजक को लेकर लालू यादव के एक बयान पर मीडिया में बहुत सारी चर्चा हुई थी। ये चर्चाएं भी होती रहीं कि कौन किस बैठक में नहीं गया, कौन प्रेस-कॉन्फ्रेंस से गैरहाजिर था, कौन किससे रूठ गया वगैरह। बस खबरें ही सुनाई दीं, इसके आगे कोई चिनगारी भड़कती नहीं दिखाई दी। विपक्षी गठजोड़ में दिख रही यह परिपक्वता भारतीय राजनीति के लिए एक नई चीज है और इसलिए महत्वपूर्ण भी है। हो सकता है कि 'नारी शक्ति वंदन विधेयक' एक मास्टर स्ट्रोक रहा हो, लेकिन इंडिया ब्लॉक की इस नईपरिपक्वता ने उसे निस्तेज तो कर ही दिया।

कई राजनीतिशास्त्रियों ने लिखा है कि दुनिया के सारे बहुदलीय लोकतंत्र आखिर में दो दलीय व्यवस्था में बदल जाने को अभिशप्त होते हैं। एक दल का प्रभुत्व जब बढ़ता है, तो बाकी ज्यादातर दल मिलकर उसके खिलाफ मोर्चा बना लेते हैं और व्यावहारिक रूप से दो दलीय व्यवस्था ही बन जाती है, लेकिन भारत में 1977 के उदहारण को छोड़ दें, तो ऐसा कभी हुआ नहीं। हमारे यहां, खासकर जो क्षेत्रीय दल हैं, उन सबकी अपनी मथुरा तीन लोक से न्यारी रही है, जिसके आग्रह उनको दूसरे से ज्यादा जुड़ने नहीं देते। आप चाहें, तो इसका कारण इन दलों के जातिगत आधार में देख सकते हैं, उनके परिवारवाद में देख सकते हैं या उनके अपने निहित हितों में देख सकते हैं। कारण कुछ भी हो, लेकिन भारतीय राजनीति की हकीकत यही रही है। हमारे चुनावों में त्रिकोणीय मुकाबले आम बात रहे हैं। कई बार तो कुछ जगह मुकाबले के इतने कोण होते हैं कि कोई ओर-छोर ही हाथ नहीं लगता।

पिछले एक दशक में सोशल मीडिया और बिग डाटा ने भारतीय समाज को बहुत तेजी से बदला है और इसका सबसे सीधा असर राजनीति पर भी पड़ा है। इस पर काफी कुछ कहा और लिखा गया है कि सोशल मीडिया ने किस तरह से समाज का ध्रुवीकरण कर दिया है। खासकर सांप्रदायिक ध्रुवीकरण 'मनसा वाचा कर्मणा' जितना अब दिखता है, उतना पहले कभी नहीं दिखता था। यह एक खतरनाक बदलाव है। ठीक यहीं पर एक और बदलाव हुआ है, जो भले ही उतना खतरनाक न हो, पर काफी महत्वपूर्ण है। सोशल मीडिया और बिग डाटा के इस्तेमाल के बाद राजनीति का भी तेजी से ध्रुवीकरण हुआ है। अब आमतौर पर मुकाबले सीधे होते हैं और तीसरा दल पूरी तरह से हाशिये पर चला जाता है।

पिछले दिनों कर्नाटक के विधानसभा चुनाव को याद कीजिए। वहां मुकाबला सीधा भाजपा और कांग्रेस में था। इस तीखे मुकाबले में क्षेत्रीय स्तर पर कभी मजबूत पकड़ रखने वाला और अक्सर किंग मेकर बनने वाला जनता दल सेकुलर पूरी तरह दरकिनार हो गया। इसके पहले हुए उत्तर प्रदेश विधानसभा के पिछले चुनाव को देखें। वहां भाजपा और सपा की लड़ाई में बहुजन समाज पार्टी पूरी तरह से हाशिये पर चली गई। भाजपा यह चुनाव बहुत आराम से जीत गई, लेकिन ध्रुवीकरण के दबाव ने समाजवादी पार्टी की झोली में इतने वोट डाल दिए, जितने वोट इस पार्टी को उसके पूरे इतिहास में कभी नहीं मिले थे। यही उत्तर प्रदेश के साथ ही हुए पंजाब विधानसभा चुनाव में दिखा। मुख्य मुकाबला आम आदमी पार्टी और कांग्रेस में हुआ, और वह अकाली दल दरकिनार हो गया, जो पंजाब की सबसे महत्वपूर्ण ताकत हुआ करता था।

इस बार जो विपक्षी एकता हमें दिख रही है, उसके पीछे यही दबाव काम कर रहे हैं। यह डर सबको सता रहा है कि अगर विपक्षी दल मिलकर एक ध्रुव नहीं बनते हैं, तो उनमें से कई हाशिये पर चले जाएंगे। अगर माकपा और तृणमूल कांग्रेस एक ही घाट का पानी पीते दिख रहे हैं, तो यह काम राजनीतिक ईको-सिस्टम के किसी बड़े दबाव के बिना तो नहीं ही हो सकता।

विपक्षी एकता के बारे में एक बात हमेशा से कही जाती रही है कि विपक्षी पार्टियां साल भर एक-दूसरे से अलग नहीं रह सकतीं और छह महीने तक एक साथ नहीं रह सकतीं। इंडिया ब्लॉक को बने हुए अभी छह महीने नहीं हुए हैं, इसलिए उसके टिकाऊपन के बारे में किसी नतीजे पर पहुंचने का समय नहीं आया है। अभी यह देखना शेष है कि नई राजनीति के दबाव एक-दूसरे के खिलाफखड़े हो जाने की पुरानी फितरत पर कितने भारी पड़ते हैं। इंडिया ब्लॉक अगर अपनी ताजा परिपक्वता को बरकरार रख पाया, तो अगला आम चुनाव वाकईकाफी दिलचस्प हो जाएगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

न विकास प्रभावित हो और न किसान हित पर चोट आए

हिमांशु, एसोशिएट प्रोफेसर, जेएनयू

सरकार के लिए महंगाई लगातार चिंता का विषय बनी हुई है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के अनुमानों से पता चलता है कि जुलाई (7.4 प्रतिशत) की तुलना में अगस्त में यह घटकर 6.8 फीसदी हो गई है। यहां तक कि खाद्य वस्तुओं की महंगाई भी जुलाई के उच्चतम स्तर 11.5 फीसदी से घटकर अगस्त में 9.94 प्रतिशत हो गई। बावजूद इसके यह अब भी ज्यादा है। यह गिरावट मुख्यत: सब्जियों की कीमतों में कमी के कारण आई है, जो जुलाई की 37.4 फीसदी की तुलना में अगस्त में 26.1 प्रतिशत थी। हालांकि, अनाज और दालों में महंगाई दोहरे अंकों में बनी हुई है, जिनमें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के मद्देनजर गिरावट की संभावना फिलहाल नहीं दिख रही। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी अपने मासिक बुलेटिन में माना है कि खाद्य मुद्रास्फीति को काबू करना कठिन साबित हो रहा है। मगर अधिकारियों को महंगाई कम करने का महत्वपूर्ण काम सौंपा गया है। 25 अगस्त को भारतीय उद्योग परिसंघ द्वारा आयोजित बी-20 बैठक में बोलते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा भी कि ब्याज दरें बढ़ाकर महंगाई नियंत्रित करने की कीमत आर्थिक विकास को चुकानी पड़ सकती है।

स्पष्ट है, दबाव और प्रतिबंधों के माध्यम से महंगाई को काबू में करने के प्रयास काफी हद तक विफल रहे हैं। घरेलू आपूर्ति में कमी के कारण कई खाद्य वस्तुओं, विशेषकर अनाज व दालों में महंगाई दिख रही है। गेहूं का उत्पादन गरमी और बेमौसम बारिश के कारण प्रभावित हुआ, तो चावल के लिए कम व असमान वर्षा जिम्मेदार है। फिर, अंतरराष्ट्रीय कीमतों ने भी अपनी भूमिका निभाई, मगर हमारी जवाबी प्रतिक्रिया से मामला और खराब हो गया। दुनिया को खिलाने का दावा करने के तुरंत बाद मई, 2022 में गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया गया। स्टॉक सीमा पर बाद की कार्रवाइयों से कीमतों के बढ़ने का ही डर

पैदा हुआ। चावल के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ। सामान्य किस्म चावल के निर्यात पर प्रतिबंध के बाद बासमती चावल के लिए न्यूनतम निर्यात मूल्य तय किए गए। दालों का भी यही हाल है। पिछले दो वर्षों से उनका उत्पादन घट रहा है। अरहर के उत्पादन का लक्ष्य 46 लाख टन रखा गया था, लेकिन तीसरा अग्रिम अनुमान बता रहा है कि इस साल अरहर का उत्पादन करीब 34 लाख टन रह सकता है, जो साल 2018-19 के बाद सबसे कम होगा।

जहां महंगाई कम करने के लिए उठाए गए कदम काफी हद तक बेअसर रहे और दो वर्षों से खरीद लक्ष्य को भी पूरा नहीं किया जा रहा, वहीं महंगाई कम करने के उपाय किसानों पर भारी पड़ने लगे हैं। यह देखते हुए कि आपूर्ति में झटका लगना ही था, किसानों से अधिक प्राप्त करने के लिए खरीद मूल्य बढ़ाना एक बेहतर रणनीति होती। अनाज व दालों की अधिकाधिक सरकारी खरीद और सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) द्वारा उनके वितरण से महंगाई के बावजूद लोगों का खान-पान प्रभावित नहीं होता। इससे बढ़ती लागत और मौसम की मार से पीड़ित किसानों को भी मदद मिलती। इसके बजाय, कोरोना के दौरान राशन वितरण योजना में जो अतिरिक्त पात्रता जोड़ी गई थी, उसे वापस ले लिया गया। इन सबसे बाजार में सिर्फ घबराहट पैदा हुई, जिससे कीमतों पर दबाव बढ़ गया। बेशक, किसानों को बाजार में बेहतर कीमतें मिल रही हैं, पर लागत बढ़ जाने से उपज की ऊंची कीमतें भी उनके लिए फायदेमंद नहीं हैं।

महंगाई प्रबंधन असल में राजनीतिक अर्थव्यवस्था का मसला है। जब मुद्रास्फीति आपूर्ति झटके या नीतिगत निर्णयों का नतीजा हो, तो मौद्रिक नीति शायद ही कारगर होती है। मगर बाजार को विकृत करने वाले उपायों से कीमतों पर काबू पाना भी आसान नहीं। दोनों ही सूरत की अपनी कीमत है, फिर चाहे वह बलि विकास की पड़े या किसानों के हितों की। ऐसे समय में, जब ग्रामीण अर्थव्यवस्था पहले ही संकट में है, बाजार को विकृत करने वाले उपायों से महंगाई का समाधान मुश्किल है। इससे ग्रामीण मांग में कमी आ सकती है, जो सुस्त है और व्यापक आर्थिक सुधार के लिए खतरा भी। जाहिर है, महंगाई कम करने के लिए हमें वैकिल्पक रास्ते तलाशने होंगे, जो आर्थिक विकास या किसानों के हितों को प्रभावित किए बिना उपभोक्ताओं की रक्षा करें।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

जिसमें दम है वह मारता है!

हरिशंकर व्यास

खालिस्तानी आतंकवादी और राष्ट्रीय जांच एजेंसी, एनआईए की वांछित सूची में शामिल रहा हरदीप सिंह निज्जर अकेला नहीं है, जो विदेशी धरती पर मारा गया है। एक के बाद एक भारत में वांछित कई आतंकवादी विदेशी धरती पर मारे गए हैं। अभी जब निज्जर की हत्या का विवाद चल रहा है और भारत व कनाडा के बीच बड़ा कूटनीतिक संकट खड़ा है तब भी एक गैंगेस्टर सखदूल सिंह उर्फ सुक्खा दुनिके की कनाडा में गोली मार कर हत्या हुई है। भारत की एक जेल में बंद गैंगेस्टर लॉरेंस बिश्नोई ने इस हत्या की जिम्मेदारी ली है। अगर उसने आगे बढ़ कर जिम्मेदारी नहीं ली होती और उसके नाम से संचालित फेसबुक अकाउंट पर यह नहीं बताया जाता कि उसने अपने गैंग के एक व्यक्ति की हत्या का बदला लेने के लिए यह कराया है तो क्या पता भारत में कहा जाता कि देश की सुरक्षा के लिए उसकी हत्या है।

इस साल जून में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या हुई थी। दो लोगों ने उसे एक पार्किंग में गोली मार दी थी। वह खालिस्तान टाइगर फोर्स से जुड़ा हुआ बताया जाता था और भारत में एनआईए द्वारा वांछित आतंकवादी था। सिख फॉर जस्टिस की ओर से चलाए गए सिख रेफरेंडम से भी निज्जर जुड़ा हुआ था। निज्जर की हत्या से ठीक पहले मई में पाकिस्तान में छिपे खालिस्तान कमांडो फोर्स के सरगना परमजीत सिंह पंजवड की हत्या कर दी गई थी। अज्ञात लोगों ने गोली मार कर उसकी हत्या कर दी थी। भारत ने 2020 में गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम कानून यानी यूएपीए के तहत नौ वांछितों की सूची जारी की थी, जिसमें पंजवड का भी नाम था। वह लाहौर में रह कर आतंकवादियों को प्रशिक्षण देता था और उन्हें हथियार, गोला-बारूद आदि मुहैया कराता था ताकि भारत में महत्वपूर्ण लोगों पर हमला कराया जा सके। वह ड्रग्स की तस्करी में भी शामिल बताया जाता था।

उससे पहले फरवरी में पाकिस्तान के रावलपिंडी में बशीर अहमद पीर उर्फ इम्तियाज आलम की अज्ञात लोगों ने गोली मार कर हत्या कर दी थी। उसे एक साल पहले ही भारत की एजेंसियों ने भगोड़ा आतंकवादी घोषित किया था। वह पाकिस्तान के कुपवाड़ा का रहने वाला था। फरवरी में ही भारत में आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट को जिंदा करने में जुटे एजाज अहमद अहंगर की काबुल में गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। इस साल जून में ब्रिटेन में अवतार सिंह खांडा की रहस्यमय स्थितियों में मौत हो गई थी। उसका पूरा परिवार खालिस्तान आंदोलन से जुड़ा रहा था और खूंखार आतंकवादियों के साथ उसके संबंध थे। भारत के रहने वाले और किसी न किसी तरह की आतंकवादी गतिविधियों में शामिल रहे अनेक लोग विदेशी धरती पर मारे गए हैं।

तभी भारत में यह हल्ला, प्रचार है कि भारत के दुश्मन दुनिया के किसी भी हिस्से में छिपे हों उनको खोज कर मारा जाएगा। इससे पहले यह बात इजराइल के लिए कही जाती थी। इसके कितने किस्से हैं और कई किस्सों पर अब नेटफ्लिक्स या अन्य ओटीटी प्लेटफॉर्म पर सीरिज बन चुकी है। परदे पर कहानी आने से पहले किवदंती की तरह इजराइल के खुफिया एजेंसी मोसाद और उसके अभियानों की कहानी प्रचलित थी। म्यूनिख ओलंपिक में इजराइली खिलाड़ियों की हत्या करने वालों को दुनिया के अलग अलग हिस्सों में खोज कर मारने के किस्सों पर 'म्यूनिख' नाम से ही हॉलीवुड की फिल्म बनी है। इनसे यह धारणा बनी है कि इजराइल अपने देश के दुश्मनों को छोड़ता नहीं है।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को लेकर भी ऐसी धारणा है कि वे अपने या रूस के दुश्मनों को छोड़ते नहीं हैं। मार्च 2018 में ब्रिटेन के सैलिसबरी शहर में एक पूर्व रूसी सैन्य अधिकारी और ब्रिटिश खुफिया एजेंसियों के डबल एजेंट सर्गेई स्क्रिपल और यूलिया स्क्रिपल को नर्व एजेंट के जरिए जहर देकर मारने का प्रयास किया गया था। तब इंगलैंड ने रूस पर उन दोनों की हत्या के प्रयास का आरोप लगाया था। इसी तरह रूस के पूर्व जासूस अलेक्जेडर लिटवीनेंको की इंगलैंड में 2006 में हत्या कर दी गई थी। लिटवीनेंको सन 2000 में रूस से भाग कर इंगलैंड पहुंचे थे और माना जाता है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 2006 में उनकी हत्या करा दी। हाल में पुतिन के खिलाफ बगावत करने वाले येवगेनी प्रिगोझिन से लेकर उनके विरोधी रहे नवलनी तक पुतिन विरोधी दर्जनों लोग मारे जा चुके हैं या उनको मारने का प्रयास हुआ है।

अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के ऐसे कितने ही किस्से हैं। अमेरिका के हित में सीआईए ने विदेशी धरती पर कितने अभियान चलाए, कितने लोगों की हत्या कराई, कितनी सरकारें बनवाई या गिराई, इस पर हॉलीवुड में अनगिनत फिल्में बनी हैं। चीन भी अपने देश से दुश्मनी करने वालों को नहीं छोड़ता है चाहे उसके लिए कुछ भी करना पड़े। तभी सोशल मीडिया में खुल कर कहा जा रहा है कि दुनिया के शक्तिशाली और विकसित देश ऐसा करते रहे हैं और आज अगर भारत भी ऐसा कर रहा है तो इसमें क्या गलत है? यह खुल कर कहा जा रहा है कि भारत में दम है, वह जोखिम लेने को तैयार है, वह दुनिया के किसी भी हिस्से में चल रही भारत विरोधी गतिविधियां बंद करा सकता है और भारत विरोधी गतिविधियां चलाने वालों को खत्म करा सकता है। यह भी कहा जा रहा है कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो जितना इस बात का प्रचार करेंगे कि भारत ने खालिस्तानी आतंकवादी की हत्या कराई है, भारत का उतना मान बढ़ेगा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता उतनी ज्यादा बढ़ेगी।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026, 7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

बच्चो के जीवन मे प्रारंभ से आरोपित करें स्वच्छता के संस्कारः महापौर

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत मालवीय नगर स्थित प्रयास बालक छात्रावास के विद्यार्थियों को स्वच्छता से संबंधित जानकारी दी गई। छात्रों को सार्वजनिक शौचालय उपयोग के फायदे और गूगल पर सार्वजनिक/सामुदायिक को ढूंढने के तरीके के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही साथ स्त्रोत पृथक्कीकरण और विद्यालय प्रांगण को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित किया गया।इस पखवारा का उद्देश्य भारतीय स्वच्छता लीग 2.0, सफाई मित्र,सुरक्षा शिविर और सामूहिक स्वच्छता अभियान जैसी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से शहर के सभी नागरिकों की भागीदारी जुटाना है। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत सार्वजनिक स्थलों को चिह्नित किया गया है। इसके लिए लोगों की आदत में परिवर्तन के लिए लगातार प्रेरित किया जाएगा। ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के सभी सार्वजनिक स्थल में श्रमदान के माध्यम से साफ-सफाई की जानी है। सभी स्वच्छता परिसंपत्तियों का सुधार, पेंटिंग, सफाई व ब्रांडिंग भी हो रही है। साथ ही स्वच्छता प्रतियोगिता, पौधारोपण, स्वच्छता शपथ का आयोजन हो रहा है। 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर के मध्य सफाई मित्र सुरक्षा शिविर का आयोजन एवं केन्द्र पोषित योजना में लाभ हेतु सिंगल विंडो वेलफेयर कैंप व हेल्थ कैम्प का आयोजन किया गया। महापौर धीरज बाकलीवाल व आयुक्त लोकेश चन्द्राकर कहा कि बच्चों को प्रारंभ से ही स्वच्छता के संस्कार देने चाहिए। तभी वे बड़े होकर स्वच्छता व आरोग्य के प्रति जागरूक बन सकेगे। स्वच्छता और अच्छे स्वास्थ्य के प्रति सजग युवा ही सेहतमंद देश के निर्माण में सहभागी बन सकेंगे। यही वजह से शासन की ओर से शहर से लेकर सुदूर ग्रामीण अंचलों तक स्वच्छता का संदेश पहुचाने सतत प्रयास जारी है।

सेक्टर-6 सोसाइटी का शुद्ध लाभ पहुंच रहा 2 करोड़ के करीब

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्मिकों की सबसे पुरानी एवं प्रतिष्ठित सहकारी संस्था इस्पात कर्मचारी को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी लिमिटेड सेक्टर-6 भिलाई नगर की 60वीं वार्षिक आम सभा रविवार को सुबह 10:30 बजे से परशुराम भवन सेक्टर-2 में रखी गई। सोसाइटी के अध्यक्ष बृज बिहारी मिश्र ने संस्था की उपलब्धियों एवं वित्तीय स्थिति के बारे में अपने वार्षिक प्रतिवेदन में संस्था के सदस्यों को अवगत कराया। इस पर संस्था के सदस्यों ने संस्था की वित्तीय स्थिति पर हर्ष व्यक्त किया। आमसभा में वार्षिक प्रतिवेदन के अलावा अंकेक्षित वित्तीय पत्रक वर्ष 2022-23 का अनुमोदन,वर्ष 2024-25 के प्रस्तावित बजट का अनुमोदन एवं वर्ष 2022-23 के अनुपूरक बजट का अनुमोदन,व वर्ष 2022-23 का देय लाभांश का भी अनुमोदन किया गया। अध्यक्ष बृज बिहारी मिश्र ने आमसभा को बताया कि वर्ष 2022-23 का शुद्ध लाभ 1.79 करोड़ रुपए रहा,जो गत वित्त वर्ष(2021-22) की तुलना में 41 लाख रुपए अधिक है.। संस्था के वर्तमान संचालक मंडल के सम्मिलित प्रयासों से गिरती सदस्य संख्या के बावजूद भी संस्था ने वित्त वर्ष 2022द्म23 में अपने व्यवसाय में उल्लेखनीय वृद्धि की है और.सदस्यों का विश्वास बढ़ा है। परिणाम स्वरूप गत वित्त वर्ष में ऋण के उठाव में 4 करोड़ रुपए की वृद्धि हुई है। परिचय देते हुए कम ब्याज दरों पर विभिन्न सहकारी बैंकों में निवेशित संस्था की निधियों को उच्च ब्याज दर पर राष्ट्रीयकृत बैंकों में निवेशित किया जिससे संस्था की आय में वृद्धि हो रही है। वर्तमान में आकस्मिक ऋण की अधिकतम सीमा 3 लाख और नियमित ऋण की अधिकतम सीमा 10 लाख है।

देवांगन समाज को मिला खुद का भवन, राजभर समाज को भी मिलेगा सामाजिक भवन, विधायक ने किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। विधायक देवेंद्र यादव लगातार प्रगति यात्रा कर रहे है। इस प्रगति यात्रा के दौरान 24 सितंबर को वे एक ही दिन में करीब 10 किलोमीटर की प्रगति यात्रा किए। वार्ड 51 में प्रगति यात्रा की गई। इस दौरान विधायक ने वार्ड के विकास के लिए विकास का पिटारा खोला। लोगों को लाखों के विकास कार्यों की सौगात दी।

वार्ड 42 गौतम नगर में देवांगन समाज को खुद के भवन की सौगात दी। देवांगन समाज के भवन का लोकार्पण किया गया। इसी प्रकार राजभर समाज के लोगों को भी जल्द ही उनका भवन मिलेगा। इसके लिए विधायक श्री यादव ने सामाजिक भवन बनाने की घोषणा करने के साथ ही 10 लाख की लागत से भवन बनाने नींव रखी। समाज के वरिष्ठ जनो के हाथों से भूमि पूजन सम्मान करवाया गया। इसके बाद वार्ड चन्द्रमा चौक हुडको में स्थिति बुध्द विहार में वाचनालय का लोकार्पण किया गया और डोम शेड का भूमि पूजन किया गया। अरविंदो योग साधना केंद्र सेक्टर 7 में पेवर ब्लाक लगाया जाएगा। इसका भी भूमि पुजन किया गया है।

प्रगति यात्रा की शुरूआत सबसे पहले वार्ड 51 से की गई।

पंडाल में पहुंचे विधायक देवेंद्र यादव ने वार्ड के सभी गणेश पंडाल में पहुंच कर भगवान गणेश की पूजा अर्चना की। गणेश जी के चरणों में श्रद्धा के पुष्प अर्पित किए और हाथ जोड़ कर भिलाई की भलाई, भिलाईवासियों की सुखशांति, समृ?द्ध व खुशहाली के लिए प्रार्थना की। इसके बाद वे वार्ड में प्रगति यात्रा करते हुए पैदल-पैदल सभी गलियों और लोगों के घरों से होते हुए चले। लोगों से मिलते गए। लोगों का हालचाल जाना और वार्ड की समस्याओं के बारे में भी जानकारी ली। इस दौरान वे बड़े बुजुर्गों को प्रणाम किए। युवाओं से गले मिले हाथ मिलाए और छोटो से स्नेह दिए। चौक-चौराहो में बैठकर लोगों के साथ बातचीत की और ?वार्ड के विकास को लेकर जानकारी ली। कई विकास कार्यों की सौगात दी।

इन विकास कार्यों का किया भूमिपूजन हनुमान मंदिर का जाणोद्धार कार्य

- HSCL कॉलोनी में हनुमान मंदिर के पास मंच निर्माण भूमिपूजन
- एचएलसीएस कॉलोनी में भवन निर्माण का भूमिपूजन
- एचएलसीएस कॉलोनी शिव हनुमान मंदिर जाणोद्धार कार्य भूमिपूजन
- नाला बस्ती बमलेश्वरी मंदिर , गणेश मंच ,पचारी निर्माण एवं लाइट कार्य भूमिपूजन
- शीतला मंदिर ऊपरी भवन ,गणेश मंच ,और जैतखाम लोकार्पण कार्य बोर का भूमिपूजन
- पीपल बस्ती, नाला बस्ती, सिमेंटीकरण कार्य भूमिपूजन
- पार्षद के घर के पास गणेश मंच, नाली ,पुलिया का भूमिपूजन
- शिशु पार्क गार्डन ऊपरी भवन निर्माण एवं गार्डन का सौंदर्यकरण कार्य भूमिपूजन
- शिवाजी नगर अटल आवास बोर एव शिव मंदिर के पास मंच निर्माण भूमिपूजन
- बॉम्बे आवास के जीर्णोद्धार कार्य का लोकार्पण

ऐसे करें अपने ड्रीम जॉब की तैयारी-अभिषेक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। एक विद्यार्थी जब कालेज में दाखिला लेता है तो उसे पूरा भरोसा होता है कि डिग्री हाथ में आने के बाद एक अच्छी सी नौकरी मिल जाएगी. बहुत कम लोगों का यह सपना पूरा होता है. अधिकांश लोग छोटी-मोटी नौकरी में सेटल हो जाते हैं. फिर जिन्दगी असंतोष, क्लेष और शिकवा-शिकायतों में गुजर जाती है।

कुछ बातों का ध्यान रखकर ऐसी स्थिति से बचा जा सकता है. उक्त बातें अप-स्किल्ज के संचालक अभिषेक सर ने आज कहीं. वे एमजे कॉलेज ऑफ नर्सिंग की छात्राओं को संबोधित कर रहे थे। इस अतिथि व्याख्यान का आयोजन एमजे ग्रुप ऑफ एजुकेशन की निदेशक डॉ श्रीलेखा विरुलकर के निर्देशन में एमजे कॉलेज ऑफ नर्सिंग के प्राचार्य प्रो. डैनियल तमिलसेलवन के मार्गदर्शन में किया गया था. अभिषेक सर ने बताया कि इसके तीन प्रमुख कारण हैं. इनमें से पहला कारण है लक्ष्य निर्धारित नहीं करना. दूसरा कारण है स्वयं को प्रस्तुत करने की कला का अभाव और तीसरा सबसे बड़ा कारण है रेज़्यूमे में की गई गलतियां. अधिकांश अभ्यर्थी गूगल करके एक रेज़्यूमे निकाल लेते हैं और उसे अपडेट कर देते हैं.

यह गलत है। अभ्यर्थी चयन प्रक्रिया पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि ड्रीम जॉब बड़ी कंपनियों में ही मिल सकता है। ऐसी अधिकांश कंपनियां एप्लीकेशन ट्रैकिंग सिस्टम (एटीएस) का इस्तेमाल करती हैं. गलत ढंग से लिखी गई रेज़्यूमे इसी लेवल पर छंट जाती हैं।

उसे कोई देखता भी नहीं. कंपनियां अपने अभ्यर्थी में संचार कौशल, टीम स्पिरिट, लीडरशिप और प्रस्तुति कौशल का आंकलन करती है. इसकी सिलसिलेवार तैयारी करनी होती है. उन्होंने विद्यार्थियों को सफलता के कई टिप्स भी दिये। कार्यक्रम का संचालन प्रो. मोनिका साहू ने किया. इस अवसर पर तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष की छात्राएं बड़ी संख्या में मौजूद थीं।

आयुक्त ने की विकास कार्यो की समीक्षा

दुर्ग। आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने अधिकारियों के साथ निगम क्षेत्र अंतर्गत चल रहें निर्माण कार्य अप्रारंभ कार्य,सहित सभी कार्यो की समीक्षा की।आयुक्त ने अधिकारियों से कहा कि समस्त स्वीकृति कार्य प्रारंभ कर निर्माण कार्यो को आचार सहिंता के पहले पूरा करने के सख्त निर्देश दिए।अधिकारी अपने अपने क्षेत्र के कार्यो को गम्भीरता से लेते हुए फील्ड में रहकर कार्य को पूरा करते रहे।निर्माण कार्यो में तेजी लाये समय-सीमा में कार्य को पूर्ण कराये तथा निर्माण की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए।घंटो चली मैराथन बैठक आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने सम्पूर्ण निगम क्षेत्र में चल रहें कार्य का जोनवार समीक्षा करते हुए कहाँ जो अभी नये वर्क आर्डर हुआ है उसको शीघ्र शुरू करवाने की बात कही। उन्होंने कहा कि मुक्तिधाम रोड में सड़क चौड़ीकरण कार्य, बचे हुए कार्यो को जल्द से जल्द पूरा करवाने के लिए निर्देश दिए।

सीएम भूपेश बघेल ने कोंडागांव जिले को दी 403 करोड़ रुपए से अधिक लागत के विकास कार्यों की सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रविवार 24 सितंबर को कोंडागांव जिले के एक दिवसीय प्रवास के दौरान नवनिर्मित बस स्टैंड, सेंट्रल लायब्रेरी, आदिवासी विकास भवन सहित विभिन्न कार्यों का लोकार्पण किया। उन्होंने इस दौरान जिलावासियों को 403 करोड़ 68 लाख रुपए के 6108 विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया, जिनमें 131 करोड़ 4 लाख रुपए के 5293 कार्यों का लोकार्पण, 259 करोड़ 57 लाख रुपए के 813 कार्यों का भूमिपूजन और शासन की योजनाओं के तहत हितग्राहियों को 13 करोड़ 06 लाख रुपए के राशि का वितरण किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कोकोड़ी में स्थापित हो रहे मक्का प्रसंस्करण संयंत्र के ट्रायल एंड टेस्टिंग के लिए मक्का खरीदी की शुरुआत भी की।

मुख्यमंत्री श्री बघेल रविवार को विकास नगर स्टेडियम में आयोजित आमसभा में लोक निर्माण विभाग के सात करोड़ 32 लाख 88 हजार रुपए के दो कार्य, सेतु निर्माण विभाग के 15 करोड़ 28 लाख रुपए का एक कार्य, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के 1 करोड़ एक लाख रुपए के 5 कार्य, जिला निर्माण समिति के 16 करोड़ 53 लाख 52 हजार रुपए के 39 कार्य, प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत 26 करोड़ 3 लाख रुपए के 24 कार्य, नगर पालिका कोंडागांव में 6 करोड़ 53 लाख 81 हजार रुपए का एक कार्य, नगर पंचायत फरसगांव में 29 लाख रुपए के एक विकास कार्य, आदिम जाति कल्याण विभाग के 2 करोड़ 48 लाख 74 हजार रुपए के 30 कार्य, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग में 31 करोड़ 34 लाख रुपए के 5164 कार्य, वन विभाग में 4 करोड़ 66 लाख 84 हजार रुपए के 10 कार्य, स्वास्थ्य विभाग के 2 करोड़ 21 लाख रुपए के 15 कार्य और छत्तीसगढ़ स्टेट वेयर हाउसिंग कंपनी में 9 करोड़ 1 लाख रुपए के चार कार्यों का लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री बघेल ने इसके साथ ही लोक निर्माण विभाग के 74 करोड़ 52 लाख 31 हजार रुपए के 26 कार्य, 3 करोड़ 35 लाख रुपए के 7 कार्य, जिला निर्माण समिति के 1 करोड़ 36 लाख रुपए के 18 कार्य, प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत 24 करोड़ 23 लाख 66 हजार रुपए के 18 कार्य, नगर पालिका कोंडागांव के 91 करोड़ 43 लाख रुपए के 2 कार्य, नगर पंचायत फरसगांव में 4 करोड़ 97 लाख रुपए के 46 कार्य, आदिम जाति कल्याण विभाग के 1 करोड़ 91 लाख 51 हजार रुपए के 1 कार्य, क्रेडा के 3 करोड़ 72 लाख रुपए के 2 कार्य, छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड 2 करोड़ 42 लाख रुपए के 5 कार्य, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के 28 करोड़ 76 लाख रुपए के 662 कार्य और छत्तीसगढ़ स्टेट वेयर हाउसिंग कंपनी में 9 करोड़ 1 लाख रुपए के चार कार्यों का भूमिपूजन किया।

इन कार्यों में कोण्डागांव में का 02 करोड़ की लागत से निर्मित आदिवासी विश्रामगृह भवन, 06 करोड़ 53 लाख रूपये की लागत से निर्मित अत्याधुनिक बस स्टैण्ड, 06 करोड़ रूपये की लागत से निर्मित सेंट्रल लाइब्रेरी, बटराली से चेरबेड़ा तक 17 करोड़ 30 लाख रुपए की लागत से निर्मित सड़क, जल जीवन मिशन अंतर्गत 24 ग्रामों में नल जल प्रदाय करने हेतु 26 करोड़ 03 लाख रूपये के कार्य, पुसपाल से मुखामारी तक 6 करोड़ 57 लाख रूपये की लागत से निर्मित सड़क एवं पुल पुलिया का लोकार्पण, अमृत मिशन अंतर्गत कोण्डागांव में जलापूर्ति हेतु 87 करोड़ 81 लाख रूपये के निर्माण कार्य, धनोरा में 03 करोड़ 44 लाख रूपये लागत के आई.टी.आई भवन एवं 01 करोड़ 91 लाख रूपये के लागत से आई.टी.आई छात्रावास भवन निर्माण कार्य, 18 ग्राम पंचायतों में जल जीवन मिशन अंतर्गत 24 करोड़ 23 लाख रूपये लागत के नल जल प्रदाय योजना के कार्य, हड़ेली से कुधुर तक 26 करोड़ 04 लाख रूपये की लागत से पुल-पुलिया सहित सड़क निर्माण कार्य, 70 ग्रामों में चौक चौराहों की प्रकाश व्यवस्था हेतु 03 करोड़ 72 लाख रूपये लागत के सोलर हाई मास्ट संयंत्र स्थापना कार्य, चौड़ग से चलका तक 07 करोड़ 18 लाख रूपये लागत के पुल पुलिया सहित सड़क निर्माण कार्य, मालाकोट बड़ेपारा से किबई बलेंगा तक 06 करोड़ 67 लाख रूपये लागत से पुल पुलिया सहित सड़क निर्माण आदि कार्य प्रमुखता से शामिल हैं। इसके साथ ही हितग्राहियों को 13 करोड़ रुपए से अधिक राशि का चेक वितरण तथा 246 युवाओं को देंगे नियुक्ति पत्र भी प्रदान किया। इस अवसर पर उन्होंने कोकोड़ी में बन रहे मक्का प्रोसेसिंग प्लांट के लिए मक्का खरीदी की शुरुआत के साथ ही स्वास्थ्य विभाग में विभिन्न 61 नियमित पदों पर, राजस्व विभाग में विभिन्न 15 नियमित पदों पर तथा रोजगार विभाग द्वारा आयोजित प्लेसमेंट कैंपों के माध्यम से विभिन्न संस्थानों के लिए चयनित 170 युवाओं को नियुक्ति पत्र का वितरण किया।

राष्ट्रीय पोषण माह का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शासकीय इंदिरा गांधी महाविद्यालय वैशालीनगर भिलाई के गृह विज्ञान विभाग द्वारा राष्ट्रीय पोषण माह 2023 का आयोजन सितंबर माह में किया गया। इसके अंतर्गत विभाग में अनेक कार्यक्रम संपन्न हुए। मिलेट्स "श्री अन्न महोत्सव" के अंतर्गत पोस्टर प्रदर्शनी, स्लोगन, रंगोली एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें अनेक छात्राओं ने भाग लिया।

मोटे अनाज के अंतर्गत रागी का चीला, कोदो का पुलाव, बाजरा की रोटी गुढ़, जौ के लड्डू एवं छत्तीसगढ़ में पाये जाने वाले तृणधान्य के बने पकवानों की प्रदर्शनी छात्राओं द्वारा लगाई गई। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अल्का मेश्राम द्वारा की गई। इस प्रदर्शनी में छात्राओं ने मोटे अनाज के प्रयोग इसके बनाने की विधी एवं इसके पोषक मूल्य की जानकारी अतिथियों को दी साथ ही इसे रोजगार के रूप में आत्मनिर्भर बनने की जानकारी भी दी गई। गृहविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. आरती दीवान के मार्गदर्शन में इस प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसी के तारतम्य में गृहविज्ञान की छात्राओं के लिये कुपोषण से बचाव एवं महिलाओं में होने वाले एनीमिया में खान पान की विस्तृत जानकारी डायटिशियन कु. रूचि द्वारा अतिथि व्याख्यान के द्वारा दी गई। आंगनवाड़ी में "पोषण भी, पढ़ाई भी" के तहत बच्चों को "फूड पैकेट" विभाग द्वारा प्रदान किये गये।

कार्यक्रम में डॉ. मेरली राय, डॉ. कैलाश शर्मा, डॉ. रबिन्दर छाबड़ा, डॉ. एस. के. बोहरे, डॉ. सुशीला शर्मा, डॉ. अल्पा श्रीवास्तव, श्रीमती कौशल्या शास्त्री, डॉ. चांदनी मरकाम, सुश्री अत्रिका कोमा, श्रीमती जयश्री रेड्डी आदि अनेक छात्र/छात्राएं उपस्थित थे।

ॐ साईं राम
माँ पुस्तक भंडार

होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

कोविड से शरीर में हुए प्रतिकूल प्रभावों को दूर करने में फिजियोथेरेपिस्ट की भूमिका महत्वपूर्णः सीएम बघेल

फिजियोथैरेपी की विशेषताओं को लोगों तक पहुंचाने की जरूरतः उपमुख्यमंत्री सिंहदेव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कोरोना महामारी के कठिन दौर के बाद लोगों के शरीर में जो प्रतिकूल प्रभाव हुए, उसे दूर करने में फिजियोथेरेपिस्ट ने बड़ी भूमिका निभाई। इस दौरान हम सबने इसके महत्व के बारे में जाना। शारीरिक दर्द, लकवा की बीमारी तथा न्यूरो सहित कई मामलों में फिजियोथैरेपी बड़ी मददगार साबित हो रही है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल राजधानी रायपुर स्थित पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा सभागार में आयोजित पहले 'फिजियोकॉन 2023' को सम्बोधित कर रहे थे। द इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजियोथेरेपिस्ट के तत्वाधान में आयोजित इस कर्यक्रम में प्रदेश भर से आए फिजियोथेरेपिस्ट और विषय विशेषज्ञों के मध्य सार्थक परिचर्चा हुई। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री बघेल तथा उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि समय के साथ बढ़ती भौतिक सुख-सुविधाओं और परिवहन के साधनों के कारण मानव की शरीरिक गतिविधियां कम हुई हैं। जिससे शरीर में दिक्कतें बढ़ी है। हमें समझना होगा कि हमारा शरीर केवल आराम करने के लिए नहीं बल्कि मेहनत के लिए भी बना है। उन्होंने कहा कि आज खेल के क्षेत्र में फिजियोथेरेपी का महत्व बढ़ गया है। खिलाड़ियों के खेल कौशल को बढ़ाने में भी यह बड़ी मदद करता है।

श्री बघेल ने कहा कि आपने अस्पताल में देखा होगा यदि किसी को फ्रैक्चर हुआ है या दर्द की समस्या है तो उसे फिजियोथेरेपी की सलाह दी जाती है। एक बात जो ध्यान रखना है कि फिजियोथैरेपी भी प्रशिक्षित फिजियोथैरेपिस्ट के देखरेख में ही करना चाहिए। नियमित व्यायाम और योग से भी शरीर स्वस्थ रहता है, इसका मतलब ही है कि आपके शरीर में मूवमेंट होना चाहिये और फिजियोथैरेपी ऐसी ही विधा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान जो जीवन शैली है उसमें शरीरिक गतिविधि कम और मानसिक ऊर्जा का अधिक उपयोग हो रहा है, जिसने फिजियोथैरेपिस्ट का महत्व बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि पिछले 05 सालों में प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार तेजी से हुआ है राज्य शासन की योजनाओं और प्रतिबद्धता से स्वास्थ्य के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की गई है। मुख्यमंत्री ने कोरोना के कठिन दौर के बाद फिजियोथेरेपिस्ट की भूमिका की सराहना भी की। मुख्यमंत्री ने एसोसिएशन के आग्रह पर फिजियोथेरेपी कौंसिल के कार्यकारिणी गठन को जल्द पूर्ण करने की बात कही।

कार्यक्रम को इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजियोथेरपिस्ट्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ संजीव झा ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजियोथैरपिस्ट्स के छत्तीसगढ़ ब्रांच अध्यक्ष डॉ प्रशांत चक्रवर्ती, फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. फैजान, डॉ. अली ईरानी, डॉ. जोजी जॉन, डॉ. रुचि वासनिक, डॉ. अविनाश कुशवाहा सहित प्रदेश भर से आए फिजियोथैरेपिस्ट सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

फिजियोथैरेपी का आम लोगों के जीवन के साथ-साथ है खेल के क्षेत्र में भी सर्वाधिक महत्व

उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में फिजियोथैरेपी का आम लोगों के जीवन के साथ-साथ खेल के क्षेत्र में भी सर्वाधिक महत्व है। फिजियोथैरेपी खेल का अभिन्न हिस्सा बन गया है। आज स्पोर्ट्सपर्सन बेहतर परफॉर्मेंस देने के लिए फिजियो के बिना सफल नहीं हो पा रहे हैं और इससे परफॉर्मेंस को एन्हांस कर रहे हैं। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री रहे अजीत जोगी के दुर्घटना उपरांत स्वास्थ्य सुधार को लेकर फिजियोथेरेपी के योगदान को भी बताया और फिजियो से जुड़े अपने व्यक्तिगत अनुभव भी साझा किये। उप मुख्यमंत्री सिंहदेव ने फिजियोथेरेपी की विशेषताओं और उसके महत्व को लोगों तक पहुंचाने की आवश्यकता पर बल दिया।

खास खबर...

रेलवे के अधिकारियों ने किया स्टॉल-कैंटीन की सफाई व्यवस्था का निरिक्षण

रायपुर (ए)। भारतीय रेलवे द्वारा स्वच्छ-रेल स्वच्छ-भारत के तहत स्वच्छता-पखवाडा का आयोजन किया जा रहा है। इस स्वच्छता ही सेवा-पखवाड़ा में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर मंडल के सभी स्टेशनों तथा गाड़ियों में प्रत्येक दिवसों के थीम के अनुसार विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है स्वच्छता पखवाड़ा के नौवें दिन स्वच्छ आहार के थीम आयोजन पर आज रायपुर रेल मंडल के नामित अधिकारियों ने स्टेशन परिसरों के स्टाल, कार्यालयों के कैंटीन पर खानपान, सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। आज इस थीम के तहत् रायपुर रेल मंडल के स्टेशन परिसरों के स्टाल, कार्यालयों के कैंटीन पर खानपान, सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। इसके साथ यह भी देखा गया की सूखा-गीला कचरा डालने अलग-अलग इंतजाम है या नहीं। इसमें वेंडरों के हाथों में ग्लव्स व मास्क तथा सिर का ढका होना, नाखूनों का कटा होना, उनका मेडिकल फिट होना, स्टालों यूनिटों के लाइसेंस कंप्लीट होना, कार्यरत सभी वेंडरों के आई-कार्ड अपडेट होना आदि देखा गया और खान-पान गुणवत्ता से समझौता न करें यात्रियों से मधुर संबंधों के साथ बात करें, यात्रियों की संतुष्टि-सेवा ही भारतीय रेल का सर्वोपरि उदेश्य है समझाया गया। इसी के साथ अपने स्टाल के आसपास किसी भी तरह की गन्दगी न फैलाये उनको जागरूक भी किया गया।

जीवन की समस्याओं का स्रोत है लेश्या, इसका गणित समझना आवश्यक : प्रवीण ऋषि

रायपुर (ए)। उपाध्याय प्रवर ने कहा कि आपके मन में सवाल आता है कि क्यों धर्म की राह पर चलने वाले को संकट का सामना करना पड़ता है? लेकिन ऐसा नहीं है कि सभी धर्म की राह पर चलने वालों को संकट झेलना पड़ता है। कई धार्मिक व्यक्ति होते हैं जिनको संकट का सामना करना ही नहीं पड़ता है। कई बार धारणा बनती है कि जो धर्म की राह पर चलता है उसे संकट झेलना ही पड़ता है। कई धर्मात्मा हैं जिनके काम सहजता से हो जाते हैं। और कई नास्तिक, जो धर्म को नहीं मानते हैं, उनके जीवन में भी संकट आते हैं। ऐसा कोई नियम नहीं है। लेकिन धर्म-अधर्म के आधार पर आप इसे आधार नहीं दे सकते। एक धार्मिक व्यक्ति की लेश्या भी कृष्ण लेश्या हो सकती है, और एक अधर्मी की लेश्या शुक्ल लेश्या हो सकती है। जीवन की समस्याओं का स्रोत लेश्या पर है। इसलिए लेश्या का गणित समझना जरुरी है।

उपाध्याय प्रवर प्रवीण ऋषि रविवार को लालगंगा पटवा भवन में लेश्या पर प्रवचन दे रहे थे। उक्ताशय की जानकारी रायपुर श्रमण संघ के अध्यक्ष ललित पटवा ने दी। धर्मसभा को संबोधित करते हुए प्रवीण ऋषि ने कहा कि जिसकी शुक्ल लेश्या है उसकी बीमारी छोटी से दवा से ठीक हो जाती है, कृष्ण लेश्या वाले की बीमारी कितना भी इलाज करा लो, ठीक नहीं होती है। शरीर का इलाज डॉक्टर कर सकता है, लेकिन बीमारी की जड़ अदृश्य है। हमारा शरीर दृश्य है, लेकिन बीमारी की जड़ हमारे अंदर है, जो दिखाई नहीं देता। कृष्ण लेश्या के एक ही काम है, ये पांच अस्त्रों में रस लेता है- मिथ्या, कषाय, प्रमाद, अशुभ योग और अव्रत। कषाय सब मे है, लेकिन कृष्ण लेश्या का कषाय समाप्त नहीं होता है, इसे कहते हैं अनंतानुबंधी कषाय। इसका संबंध अनंत के साथ है।

एनएसएस से युवाओं में नेतृत्व क्षमता एवं परोपकार की भावना का होता है विकासः योग आयोग अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा

उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्यक्रम अधिकारी, संस्था एवं स्वयंसेवक हुए सम्मानित

राष्ट्रीय सेवा योजना का स्थापना दिवस एवं सम्मान समारोह आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के कृषक सभागार में आज उच्च शिक्षा विभाग के तहत संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना का स्थापना दिवस एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वर्ष 2022-23 के राज्य स्तरीय सेवा योजना के तहत उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्यक्रम अधिकारी, संस्था एवं स्वयंसेवकों को पुरस्कार राशि के तौर पर कुल मिलाकर 3 लाख रूपए की चेक एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। समारोह में छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा, उच्च शिक्षा विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल, महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय रायपुर के कुलपति डॉ. आरएस कुरिल विशेष अतिथि के तौर पर मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय सेवा योजना की स्थापना 24 सितंबर 1969 को हुआ था। छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत लगभग एक लाख 4 हजार स्वयंसेवक जुड़े है।

छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा ने राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत चलाए जा रहे कार्यो की सराहना की। उन्होंने सभा में मौजूद राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक, कार्यक्रम अधिकारी एवं कार्यक्रम समन्वयक को संबोधित करते हुए कहा कि इस योजना के तहत छात्र-छात्राएं शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन सहित आपदा एवं विकट परिस्थितियों में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। एनएसएस युवाओं का संगठन हैं इसमें शामिल युवाओं में संगठात्मक क्षमता, नेतृत्व कौशल का विकास होता है। इसमें शामिल छात्र अनेक सामुदायिक कार्यक्रमों में शामिल होते हैं। जिससे उनके व्यक्तित्व में निखार आता है और उनमें परोपकार की भावना का विकास होता है। उन्होंने कहा कि एनएसएस के कार्यक्रमों में योग को शामिल किया गया है। श्री शर्मा ने लोगों से योग को दिनचर्या में शामिल करने का आग्रह करते हुए कहा कि प्रतिदिन योग करने से शारीरिक एवं मानसिक क्षमता का विकास होता है और हम जो जीवन में हासिल करना चाहते हैं उसे हासिल कर सकते हैं।

इस अवसर पर उच्च शिक्षा विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का नारा "मैं से पहले हम" संगठन को और भी मजबूत बनाता है। एनएसएस के जुड़े स्वयंसेवक रक्तदान, वृक्षारोपण, जागरूकता से संबंधित कार्य सहित आपदा के समय अपना महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। उन्होंने कहा कि एनएसएस के तहत चलाए जा रहे कार्यों से छात्रों में व्यक्तित्व का विकास होता है। अगर व्यक्ति में शैक्षणिक प्रगति के साथ-साथ व्यक्तित्व का भी विकास हो तो वह जो बनना चाहे बन सकता हैं। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कहा कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में 2004 से एनएसएस की शुरूआत हुई। आज विश्वविद्यालय के 5 हजार से ज्यादा छात्र-छात्राएं इस संगठन से जुड़कर देश व समाज के प्रति अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि एनएसएस से नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। इसमें शामिल छात्र देशप्रेम का भावना से ओतप्रोत होते हैं और समाज को आगे बढ़ाने में भी इनका योगदान महत्वपूर्ण होता है।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय स्तर पर अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर, संस्था (ईकाई) स्तर पर कमला नेहरू महाविद्यालय कोरबा, संस्था (ईकाई) स्तर पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अघिना सलका सरगुजा, कार्यक्रम अधिकारी महाविद्यालय स्तर पर कमला बाई दीवान शासकीय महाविद्यालय बलौदा, महासमुंद और संजय बघेल विज्ञान एवं कला महाविद्यालय पामगढ़ जांजगीर-चांपा, कार्यक्रम अधिकारी विद्यालय स्तर पर वीरेन्द्र कुमार बंजारे शासकीय उच्चतर विद्यालय चैतमा कोरबा एवं डॉ. गणेश प्रसाद साहू शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भोथली धमतरी सहित महाविद्यालय स्तर के 14 एवं विद्यालय के 6 स्वयं सेवक का पुरस्कार राशि का चेक एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

छत्तीसगढ़ में अब तक 1033.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज

प्रदेश में सर्वाधिक वर्षा बीजापुर जिले में और कम वर्षा सरगुजा जिले में

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2023 से अब तक राज्य में 1033.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून 2023 से 24 सितंबर सवेरे तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1628.2 मिमी और सरगुजा जिले में सबसे कम 465 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सूरजपुर जिले में 768.2 मिमी, बलरामपुर में 925 मिमी, जशपुर में 856.8 मिमी, कोरिया में 914.4 मिमी, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 899.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी।

इसी प्रकार, रायपुर जिले में 1182.2 मिमी, बलौदाबाजार में 1189.3 मिमी, गरियाबंद में 908.3 मिमी, महासमुंद में 1022.3 मिमी, धमतरी में 949.2 मिमी, बिलासपुर में 1220.4 मिमी, मुंगेली में 1342.4 मिमी, रायगढ़ में 1209.8 मिमी, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 974.3 मिमी, जांजगीर-चांपा में 1151.7 मिमी, सक्ती में 1020.9 मिमी, कोरबा में 1031.1 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 1108.4 मिमी, दुर्ग में 883 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी। कबीरधाम जिले में 904.2 मिमी, राजनांदगांव में 1124.9 मिमी, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 1248.1 मिमी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 1074.2 मिमी, बालोद में 995.4 मिमी, बेमेतरा में 927.3 मिमी, बस्तर में 996 मिमी, कोण्डागांव में 1009.7 मिमी, कांकेर में 969.7 मिमी, नारायणपुर में 919 मिमी, दंतेवाड़ा में 1023.5 मिमी और सुकमा में 1370.4 मिमी औसत वर्षा एक जून से अब तक रिकार्ड की गई।

पुरखौती मुक्तांगन में राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी सम्पन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय रायपुर द्वारा आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी अंतिम दिन संगोष्ठी के प्रतिभागी अध्येताओं ने नवा रायपुर उपरवारा स्थित पुरखौती मुक्तांगन मुक्ताकाशी संग्रहालय का भ्रमण किया। संगोष्ठी प्रभारी डॉ पीसी पारख उप संचालक ने पुरखौती मुक्तांगन मुक्ताकाशी संग्रहालय की स्थापना और पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे कलाम आजाद के आगमन प्रसंग के बारे में बतलाया। सहायक अभियंता पोखराज पुरी गोस्वामी ने शोध अध्येताओं को छत्तीसगढ़ चौक होकर पहले आमचो बस्तर में निर्मित गोटूल, देवगुड़ी, जातरा, घानासार और आदिवासी समुदायों के रहवास तथा फिर सरगुजा प्रखंड के आवासीय संकुल सहित

रामगढ़ की गुफाओं, सरगुजा राजमहल, डीपाडीह मंदिर और रजवार गृह के प्रदर्शों को दिखाया और उनके बारे में विस्तार से जानकारी दी। समापन सत्र में परिचर्चा के दौरान राष्ट्रीय संग्रहालय नई दिल्ली से पधारे संग्रहालय विज्ञानी डॉ संजीब कुमार सिंह, नागपुर से पधारे मुद्राशास्त्री और अभिलेख शास्त्री डॉ जीएस ख्वाजा, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से पधारे प्रो. एस के चहल, कोलकाता राज्य अभिलेखागार के पूर्व अधिकारी डॉ. आनंदा भट्टाचार्य और मैनपुर कॉलेज के प्रिंसिपल प्रो. ब्रज किशोर प्रसाद ने संगोष्ठी के संबंध में अपने अनुभव साझा किए और इसे भविष्य के अनुसंधानों के लिए बहुत उपयोगी बतलाया। सभी ने उपस्थित नई पीढ़ी के शोधार्थियों को प्रेरक संबोधन भी दिए। कृतज्ञता ज्ञापन डॉ जे आर भगत उप संचालक ने किया और कार्यक्रम का संचालन प्रभात कुमार सिंह पुरातत्त्ववेत्ता ने किया। कार्यक्रम में डॉ वृषोत्तम साहू, प्रवीन तिर्की, तापस बसाक, राजीव मिंज, समीर टह्लू, मुकेश जोशी, अरुण निर्मलकर एवं अन्य कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

एनिमल से रश्मिका मंदाना का फर्स्ट लुक जारी, सादगी के कायल हुए फैंस

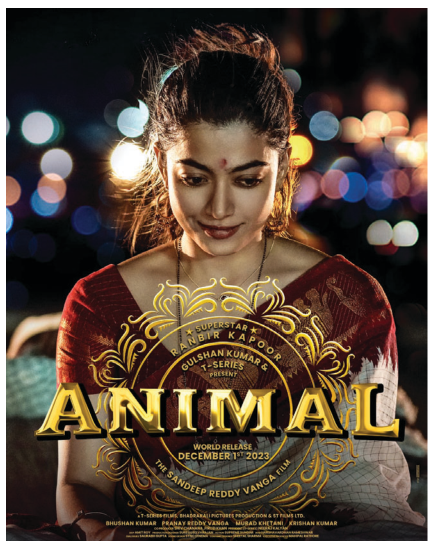

साउथ एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना जल्द ही एक और बॉलीवुड फिल्म में नजर आएंगी। रश्मिका इस बार बॉलीवुड स्टार रणबीर कपूर के साथ स्क्रीन शेयर करने वाली हैं। एक्ट्रेस अपकमिंग फिल्म एनिमल की लीड हीरोइन हैं। फिल्म में वो गीतांजलि का किरदार निभाती नजर आएंगी। आज एनिमल से रश्मिका का फर्स्ट लुक जारी हो गया है। एक्ट्रेस सिल्क साड़ी पहने काफी संस्कारी अवतार में नजर आ रही हैं। रश्मिका के इस लुक को देख फैंस भी इम्प्रेस हो गए हैं।

बीते कुछ दिनों से मेकर्स एनिमल के पोस्टर जारी कर रहे हैं। पहले रणबीर कपूर के लुक सामने आए थे। इसके बाद दिग्गज एक्टर अनिल कपूर का फर्स्ट लुक देखने को मिला था। अनिल कपूर के बाद अब अब फिल्म से रश्मिका का लुक रिवील किया गया है। एक्ट्रेस काफी ट्रेडिशनल दिख रही हैं। मैरुन सिल्क साड़ी में नजरें झुकाएं एकदम भारतीय नारी लुक में रश्मिका की खूबसूरती साफ झलक रही है। फैंस भी रणबीर कपूर के साथ रश्मिका की जोड़ी को देखने के लिए काफी एक्साइटेड हैं।

फिल्म का निर्देशन कबीर सिंह फेम संदीप रेड्डी वांगा ने किया है। निर्माताओं द्वारा बलबीर सिंह के रूप में अनिल कपूर के फर्स्ट-लुक पोस्टर से फैंस को हैरान कर दिया था। अनिल कपूर भी काफी रफ-टफ लुक में दिखे थे। निर्माताओं ने फिल्म की कहानी को लेकर सस्पेंस बना रखा है।

पहले, एनिमल सितंबर में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, इसे जवान के साथ क्लैश होने की वजह से टाल दिया गया। अब यह 1 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में अनिल कपूर, रश्मिका मंदाना, बॉबी देओल और तृप्ति डिमरी भी हैं।

विपरीत शलभासन से स्वास्थ्य को मिल सकते हैं कई लाभ, यह है अभ्यास का तरीका

योग एक ऐसी क्रिया है, जिसमें एक ही आसन के कई स्वरूप होते हैं। ऐसा ही एक आसन है शलभासन, जिसका दूसरा स्वरूप विपरीत शलभासन है। इस स्थिति में शरीर पीठ की तरफ से उठाना होता है, जबकि दोनों हाथ जमीन से सटे होते हैं। अगर आप रोजाना इस आसन का अभ्यास करेंगे तो इससे आपको कई स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं। चलिए फिर आज आपको विपरीत शलभासन के अभ्यास का तरीका और अन्य महत्वपूर्ण बातें बताते हैं।

विपरीत शलभासन करने का तरीका

सबसे पहले योगा मैट पर पेट के बल सीधे लेट जाएं। इसके दौरान अपनी ठोड़ी को जमीन पर रखें। इसके साथ ही हाथों को पेट के किनारे से सटा लें। अब पैर की उंगलियों को बाहर की ओर रखें, फिर पैरों के शीर्ष को धीरे से फर्श पर दबाएं। इसके बाद धीरे-धीरे से पैरों को उठाएं और थोड़ा-सा पीठ की ओर झुकाएं।आप चाहें तो इस स्थिति में अपने चेहरे के नीचे एक सॉफ्ट तकिया भी रख सकते हैं।

अभ्यास के दौरान जरूर बरतें ये सावधानियां

अगर रीढ़ की हड्डी, गर्दन और सिर में दर्द हो तो इस योगासन को करने का प्रयास न करें। गर्भवती महिलाएं इस योगासन का अभ्यास बिल्कुल भी न करें। पीठ, पेट और घुटने में दर्द होने पर इस योगासन का अभ्यास करने से पहले डॉक्टर से परामर्श जरूर लें। हृदय रोग, हाई ब्लड प्रेशर और स्लिप डिस्क आदि समस्याओं से पीड़ित लोगों को भी इस आसन के अभ्यास से दूरी बनाकर रखनी चाहिए।

विपरीत शलभासन के रोजाना अभ्यास से मिलने वाले फायदे

इस योगासन से साइटिका की समस्या से राहत मिल सकती है। यह योगासन शरीर के आंतरिक अंगों पर भी सकारात्मक असर डालता है। इसके अलावा यह आसन न सिर्फ कमर और पेट की मांसपेशियों को मजबूत करने में मदद करता है, बल्कि आकर्षक एब्स बनाने में भी लाभदायक है। इसके साथ ही यह योगासन पाचन क्रिया की कार्यक्षमता को भी बेहतर कर सकता है और मानसिक विकारों से भी कुछ हद तक राहत दिला सकता है।

योगासन से जुड़ी ध्यान रखने योग्य बातें

हमेशा खाली पेट इस आसन का अभ्यास करें। अगर आप पहली बार इस योगासन का अभ्यास करने वाले हैं तो ऐसा किसी प्रशिक्षक की निगरानी में ही करें।अगर इसका अभ्यास करते समय आप शरीर का संतुलन नहीं बना पा रहे हैं तो अपने पैरों को चिपकाकर रखने की जगह कुछ दूरी पर फैला लें। इससे संतुलन बनाने में मदद मिलेगी। इस मुद्रा से सामान्य अवस्था में धीरे-धीरे आएं ताकि कमर या गर्दन में झटका न लगे।

बॉलीवुड मेरी जिंदगी में अहम भूमिका निभाता है: विभव रॉय

पद्मावत, लष्टम पश्तम और रेड्रम-ए टेल ऑफ मर्डर जैसी बॉलीवुड फिल्मों में एक्टिंग के लिए पहचान बनाने वाले एक्टर विभव रॉय खुद को बॉलीवुड प्रेमी कहते हैं। एक्टर ने कहा, बॉलीवुड मेरे जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और मैं बॉलीवुड का बहुत बड़ा फैन हूं। यह कोई नया प्यार नहीं है लेकिन तब से मैंने जीवन में चीजों को समझना शुरू कर दिया है।

वैभव ने कहा, उदाहरण के लिए, जब भी मेरे जीवन में कोई घटना घटती है, तो मेरे दिमाग में एक बॉलीवुड संदर्भ होता है और इसे किसी न किसी बॉलीवुड सीन से जोड़ दिया जाता है। जब मैं अपने दोस्तों के आसपास होता हूं, तो मुझे इसे साझा करने में मजा आता है, अन्यथा मैं इसे अपने दिमाग में, अपने तक ही सीमित रखता हूं। गुस्ताख दिल, कुछ तो है तेरे मेरे दरमियां, मेरी सास भूत है जैसे कई टीवी धारावाहिकों में हीरो की भूमिका निभा चुके अभिनेता को लगता है कि बॉलीवुड एक कला के मूल्य को समझता है और एक कलाकार को उचित श्रेय देता है। वैभव ने कहा, हमारे पास पोस्टर से लेकर फोटो कार्ड, बुकलेट और हैंड-पेंटिंग होर्डिंग तक भारतीय सिनेमा कला के उल्लेखनीय उदाहरण हैं। बॉलीवुड ने हमेशा कला का सम्मान किया है चाहे वह अभिनय, निर्देशन, डांस, पेंटिंग, राइटिंग, सिंगिंग आदि का कोई भी रूप हो और एक कलाकार को उचित श्रेय दिया जाता है।

बॉलीवुड ने हमारे समाज को कई चीजें सीखने में मदद की है और बॉलीवुड फिल्में देखने के बाद ही पुरानी विचारधारा से बाहर आने में मदद मिली है। हम भारत में ऐतिहासिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक परिवर्तनों का आसानी से पता लगा सकते हैं, जैसा कि बॉलीवुड फिल्म उद्योग के लेंस के माध्यम से देखा जाता है।

1000 करोड़ के क्लब में शामिल होने के करीब जवान

शाहरुख खान की फिल्म जवान का जादू दुनियाभर में चलता नजर आ रहा है। फिल्म घरेलू के साथ-साथ वर्ल्डवाइड भी बॉक्स ऑफिस पर नए रिकॉर्ड बना रही है। फिल्म की कमाई ने पुरानी फिल्मों के रिकॉर्ड तोड़ डाले हैं और अब 1000 करोड़ के क्लब में शामिल होने के करीब आ गई है।

जवान ने 16 दिनों में वर्ल्डवाइड 953.97 करोड़ कमा लिए है। फिल्म के प्रोडक्शन हाउस रेड चिलीज ने एक्स अकाउंट पर पोस्ट कर खुद इस बात की जानकारी दी है। फिल्म की रफतार को देख ये अंदाजा लगाया जा रहा है कि वीकेंड के कलेक्शन के साथ ही जवान 1000 करोड़ का आंकड़ा पार कर जाएगी।

जवान ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर धुआंधार कलेक्शन करके सबसे ज्यादा कमाई करनी वाली बॉलीवुड फिल्म का खिताब अपने नाम कर लिया है। फिल्म ने इंडियन बॉक्स ऑफिस पर 546.58 करोड़ रुपए का कारोबार किया है। इस तरह फिल्म ने सनी देओल की गदर 2 और शाहरुख खान की अपनी ही फिल्म पठान को भी पीछे छोड़ दिया है। बता दें कि गदर 2 ने 522.84 और पठान ने 540.51 करोड़ का कुल कलेक्शन किया है।

अमिका शैल अमेजोन की वेब सीरीज 'बिल्डर्स' में दर्शकों को करेंगी मोहित

अभिनेत्री अमिका शैल एक बार फिर अपनी नई हास्यपूर्ण भूमिका में दर्शकों को मोहित करने के लिए तैयार हैं, वह आने वाले अमेजोन वेब सीरीज़ बिल्डर्स में नई भूमिका निभाएंगी। इस बेहद प्रत्याशित कॉमेडी-ड्रामा का निर्माण आनंदेश्वर द्विवेदी, प्रशांत कुमार, और विकास शर्मा द्वारा किया गया है, और इसका निर्देशन ललितम आनंद ने किया है।

बिल्डर्स एक भारतीय शहर में एक सामान्य संघर्ष कर रहे जिम की कहानी है, जो नई सदस्यता सुनिश्चित करने की दुर्भाग्यपूर्ण चुनौती का सामना कर रहा है। स्वास्थ्य से लेकर मनोरंजन तक, जिम ब्रदर्स की सहयोग से हंसी तक, बिल्डर्स एक अनूठी यात्रा का वादा करता है। इस सीरीज का निर्माण द वायरल फीवर की एक इकाई द्वारा किया गया है, जिसे द स्क्रीन पटी के नाम से भी जाना जाता है।

अमीका शैल, जो अपनी विविधता और करिश्माई व्यक्तित्व के लिए प्रसिद्ध हैं, बिल्डर्स के कलाकारों के साथ एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, जिसमें अंकित मोटघरे, स्वप्नील कोकम, अनुषा मिश्रा, विधुषी कौल, और अवतार गिल शामिल हैं। उनका जुड़ाव इस श्रृंखला को एक अद्वितीय और आनंददायक आयाम देने की उम्मीद है।

अपनी उत्साह साझा करते हुए, अमिका ने कहा, बिल्डर्स पर काम करना पूरी तरह से मजेदार रहा है। स्क्रिप्ट में हास्य और दिल से भरपूर है, पूरी टीम में सभी बहुत ही प्रतिभाशाली हैं और सर्वोत्तम शो बनाने के बारे में उत्सुक हैं। मुझे यकीन है कि दर्शक पात्रों और उनकी हास्यपूर्ण गुप्तचरों से जुड़ेंगे, जिससे यह श्रृंखला देखने योग्य हो जाएगी। मैं दर्शकों का इसके प्रति लगाव देखने के लिए उत्सुक हूं।

अमीका शैल सीरीज में एक फिटनेस उत्साही किरदार निभाएंगी, और उनका किरदार सीरीज में एक फिट मॉडल के प्रति प्यार में पड़ जाता है। मेरे सभी प्रशंसक जानते हैं कि मैं असल जीवन में एक फिटनेस उत्साही हूं। स्क्रीन पर भी अपने आप का एक हिस्सा बनाना खुशी थी। यह किरदार किसी भी तरह से साधारण नहीं है, और यही वजह है कि मुझे इस प्रोजेक्ट की ओर खींच लिया। यह एक मजेदार भावनाओं का रोलरकोस्टर है और दोस्ती, प्यार, और अपने सपनों का पालन करने के महत्व के बारे में है।

अमीका शैल के पास 2023 के अगले हिस्से के लिए रोमांचक रिलीज़ की लाइनअप है। वह एक विविधतापूर्ण गायक-अभिनेत्री हैं, जो अपने टेलीविजन और ओटीटी स्पेस में गतिशील प्रदर्शनों के लिए प्रसिद्ध हैं। अपने हास्य कौशल और पर्दे पर आकर्षक उपस्थिति के साथ, वह अपनी प्रतिभा और आकर्षण से दिलों को जीतने का काम जारी रखती हैं।

क्या आप भी अपना टूथब्रश बाथरूम में रखते हैं?

हेल्थ पर पड़ता है सीधा असर

कई लोग अपना टूथब्रश बाथरूम में रखते हैं। वह एक होल्डर रखते हैं जिसमें अपनी पूरी फैमिली मेंबर का ब्रश उसमें रखते हैं। आज हम बात करेंगे कि क्या बाथरूम में टूथब्रश रखना सही है? हेल्थ के हिसाब से इसका शरीर पर क्या असर पड़ता है। ज्यादातर लोग ऐसे हैं जो बाथरूम में ब्रश रखते हैं उनको यह खबर एक पल के लिए परेशान कर सकती है।

फ्लश करने से आ जाते हैं बैक्टीरिया

डेंटल एक्सपर्ट के मुताबिक फ्लश करने के बावजूद शीट या आसपास के एरिया में बैक्टीरिया मौजदू होते हैं। यह वजह है कि बिना ढक्कन लगाएं फ्लश करने से पानी बाहर निकल जाता है। जिसकी वजह से मल से निकले बैक्टीरिया फर्श पर निकल जाते हैं। पानी सूखने के बाद बैक्टीरिया उड़कर टूथब्रश में लग जाते हैं और फिर जब आप उस ब्रश पर पेस्ट लगाकर इस्तेमाल करते हैं तो वह बैक्टीरिया आपके मुंह में चला जाता है। जिसकी वजह से आपको कई तरह की बीमारी हो सकती है।

ब्रश पर जम सकती है गंदगी

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक बाथरूम टूथब्रश रखना सही नहीं है। ऐसा करने से ढेर सारी बैक्टीरिया ब्रश पर जम जाती है। यही नहीं एक ही बाथरूम को कई लोग शेयर करते हैं तो कई तरह की बीमारी होने की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में अपने टूथब्रश पर गंदगी जमने से आप रोक सकते हैं।

इतने दिनों के अंदर बदल लें ब्रश

डेंटल एक्सपर्ट कहते हैं कि ब्रश करने से पहले साफ पानी से एक बार जरूर धो लें। ऐसा करने से ब्रश पर जमें बैक्टीरिया निकल जाते हैं। इसलिए ब्रश करने के बाद इसे कवर करना न भूलें। आजकल ज्यादातर ब्रश कवर वाले आने लगे हैं। 3 महीने के बाद ब्रश के दांत या ब्रिसल्स घिस जाते हैं तो उसे तुरंत बदल लें। घिसे हुए ब्रश से दांत साफ करना खतरनाक हो सकता है।

रिवीलिंग क्रॉप टॉप पहनकर नेहा मलिक ने चमकाया हुस्न

भोजपुरी क्वीन नेहा मलिक आए दिन अपनी बोल्डनेस और ग्लैमरस भरी अदाओं से फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो अक्सर लोग उनके हर एक लुक पर अपना दिल हार जाते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर कर फैंस का दिल मचल दिया है।

एक्ट्रेस नेहा मलिक हमेशा अपने ड्रेसिंग सेंस के कारण फैंस के बीच लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट होते ही सोशल मीडिया पर तबाही मचाने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट ग्लैमरस फोटोशूट की कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में अभिनेत्री नेहा मलिक का खूबसूरत और किलर अवतार देखकर फैंस आहें भरने लगे हैं। नेहा मलिक ने फोटोशूट के दौरान व्हाइट कलर का रिवीलिंग क्रॉप टॉप और साथ ही पेंट पहनी हुई है। हाई हील्स, कानों में इयररिंग्स, बालों को खुला छोड़कर एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। इन फोटोज में एक्ट्रेस नेहा मलिक अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करती हुई एक से बढ़कर एक किलर पोज देती हुई नजर आ रही हैं नेहा मलिक सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135, NEW CIVIC CENTER,
Bhilai Ph. 0788-6566005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

मोदी सरकार देश के ज्वलंत मुद्दों से ध्यान भटकानें में लगी है- दीपक बैज

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि संसद का विशेष सत्र समाप्त हो चुका है। इस सत्र को लेकर एक बात बिल्कुल साफ़ है। मोदी सरकार देश को कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों- अडानी घोटाला, जाति जनगणना और विशेष रूप से बढ़ती बेरोज़गारी, बढ़ती असमानता और आर्थिक संकट आदि से भटकाने की कोशिश कर रही थी। मोदी सरकार आंकड़ों को चाहे कितना भी छिपा ले, हक़ीक़त यह है कि बड़ी संख्या में लोग परेशान हैं। ये पिछले सप्ताह रिपोर्ट किए गए कुछ तथ्य हैं जिन्हें दबा दिया गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि आवश्यक वस्तुओं की कीमतें तेज़ी से बढ़ रही हैं। इसका सबसे ज़्यादा असर आम परिवारों के घरेलू बजट पर पड़ रहा है। टमाटर की कीमतों में अनियंत्रित उछाल को सबने देखा। जनवरी 2023 से तुअर दाल की कीमतें 45 प्रतिशत बढ़ गई हैं। कुल मिलाकर दालों का इंफ्लेशन (मुद्रास्फीति) 13.4 प्रतिशत तक पहुंच गया है। अगस्त से आटे की क़ीमतें 20 प्रतिशत बेसन की कीमतें 21 प्रतिशत गुड़ की क़ीमतें 11.5 प्रतिशतऔर चीनी की क़ीमतें 5 प्रतिशत बढ़ी हैं। आवश्यक घरेलू क्षेत्र में अनियंत्रित महंगाई अर्थव्यवस्था को मैनेज करने में मोदी सरकार की अक्षमता को दर्शाती है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि सितंबर 2023 का आरबीआई का नवीनतम बुलेटिन, कोविड-19 महामारी से उबरने में मोदी सरकार की पूरी तरह से विफलता को दर्शाता है। फ़रवरी 2020 में 43 प्रतिशत लोग लेबर फ़ोर्स में थे। 3.5 से अधिक वर्षों के बाद, यह भागीदारी दर 40 प्रतिशत के आस पास बनी हुई है। अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय की एक रिपोर्ट से पता चलता है कि 25 वर्ष से कम आयु के 42 प्रतिशत से अधिक ग्रेजुएट 2021-22 से बेरोज़गार है। यह गंभीर चिंता का विषय है।

बारिश थमते ही सड़कों के रेस्टोरेशन का कार्य तेजी से शुरू

रायपुर। बारिश थमते ही नगर निगम और रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने अंडर ग्राउंड केबलिंग और पाइप लाइन बिछाने के दौरान हुए गड्ढों और टूटी सड़कों के रेस्टोरेशन का काम युद्धस्तर पर शुरू कर दिया है। नगर निगम कमिश्नर श्री मयंक चतुर्वेदी ने इस काम से जुड़े अफ़सरों व इंजीनियर्स से कहा है कि तय समय सीमा के भीतर रेस्टोरेशन के सभी काम गुणवत्ता के साथ पूरा करें।गणेश विसर्जन व अन्य पर्व के दौरान नागरिकों को असुविधा न हो इसलिए पहले मुख्य मार्ग के रेस्टोरेशन का कार्य कर सीसी,डामरीकरण व पेच वर्क भी जल्द ही पूरा का लिया जाएगा। भूमिगत केबलिंग व पाईप लाइन कार्य योजना के दौरान टूटी सड़कों और गड्ढों को दुरुस्त करने नगर निगम व रायपुर स्मार्ट सिटी की टीम देर रात तक सड़कों पर उतरकर रेस्टोरेशन का काम पूरा कर रही है। लगातार बारिश की वजह से यह कार्य बाधित हो रहा था, अब बारिश थमते ही कार्यदस्ता त्वरित गति से इस काम में जुट गया है। इस टास्क फ़ोर्स द्वारा महिला थाना चौक क्षेत्र में 90 प्रतिशत, मालवीय रोड में 80 प्रतिशत, सदर बाजार में 70 प्रतिशत एवं लाखे नगर मार्ग में 60 प्रतिशत रेस्टोरेशन का काम पूरा कर लिया गया है। यह रेस्टोरेशन कार्य आवश्यकतानुसार कंक्रीट और डामर से किया जा रहा है। इन सड़कों के अलावा चौक-चौराहों के गड्ढों को भरने का काम भी यह टीम कर रही है।

शिक्षक भर्ती में आरक्षण नियमों का पूरी तरह हुआ पालन : लोक शिक्षण संचालनालय

रायपुर। छत्तीसगढ़ में वर्तमान में शिक्षकों की भर्ती की कार्यवाही प्रकियाधीन है, शिक्षक भर्ती के संबंध में सोशल मीडिया में अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को आरक्षण का पूरा लाभ न मिलने की झूठी अफ़्वाह फैलाई जा रही है। इस संबंध में शुक्रवार की देर शाम को लोक शिक्षण संचालनालय के द्वारा वस्तुस्थिति स्पष्ट किया गया है कि वर्तमान में शिक्षक संवर्ग के कुल 5090 पदों पर भर्ती की कार्यवाही की जा रही है। जिनमें से अनारक्षित वर्ग के कुल 905 पद है। उल्लेखनीय है कि नियमानुसार मेरिट में उपर आने पर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को भी अनारक्षित श्रेणी में नियुक्ति की पात्रता होती है। इस नियम का पालन करते हुये जिन 895 अभ्यर्थियों को अनारक्षित श्रेणी में नियुक्ति पत्र जारी किया गया/किया जा रहा है, उनमें से 48 अनुसूचित जाति, 04 अनुसूचित जनजाति, 623 अन्य पिछड़ा वर्ग, तथा 220 अभ्यर्थी सामान्य श्रेणी के है। इन तथ्यों से यह स्पष्ट है कि शिक्षक भर्ती में आरक्षण नियमों का पूरी तरह से पालन किया गया है और किसी भी वर्ग के अभ्यर्थी के साथ अन्याय नही किया गया है। इन तथ्यों से यह स्पष्ट होता है कि शिक्षक भर्ती में आरक्षण नियमों का पूरी तरह से पालन किया गया है और किसी भी वर्ग के अभ्यर्थी के साथ अन्याय नही किया गया है। इसके बाद भी यदि किसी अभ्यर्थी का दावा है कि मेरिट में उसके नीचे के किसी व्यक्ति को अनारक्षित श्रेणी में नियुक्ति दी गई है तो वह तत्काल संचालक लोक शिक्षण को आवेदन दे सकता है।

छिंदगढ़ का ऐसा कोई गांव नहीं है, जो पक्की सड़क से ना जुड़ा हो: भूपेश बघेल

- सुकमा विकास के पथ पर चल रहा है, इस गति को रुकने नहीं देना है
- मुख्यमंत्री ने सुकमा जिले को 273 करोड़ रूपए की विकास कार्यों की दी सौगात
- तालनार में बनेगा 30 बिस्तर वाला अस्पताल एवं छिंदगढ़ में रेस्ट हाउस

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सुकमा जिले के छिंदगढ़ में आयोजित कार्यक्रम में 273 करोड़ रूपए की लागत वाले 137 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास कर सुकमा वासियों को बड़ी सौगात दी। मुख्यमंत्री ने आमसभा में छिंदगढ़ में रेस्ट हाउस और तालनार में 30 बिस्तर वाले अस्पताल निर्माण की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने आमजनों की सुविधाओं में वृद्धि करते हुए पोरदेम मार्ग में पुलिया निर्माण, मनकापाल से पुसेर मार्ग स्थित मलगेर नदी में पुलिया निर्माण, हम्मीरगढ़ से लिटीरास के बीच बारू नदी में पुलिया निर्माण, सुकमा जिले के मनकापाल, किस्टाराम, जगरगुंडा, बस्तर जिले के पोटानार, धुरागांव गूमड़पाल में धान खरीदी केंद्र के निर्माण की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने रोकेल से पेदारास के मध्य बारू नदी पर पुलिया निर्माण और केरलापाल से पोंगा भेज्जी मार्ग स्थित रेवड़ी नाला में पुलिया निर्माण की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा आम सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि पहले सुकमा और छिंदगढ़ की स्थिति क्या थी और इन पांच सालों में क्या परिवर्तन आया, इसे आप से ज्यादा कोई नहीं जान सकता। पिछली बार मैं भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में आया था उस दौरान आपने निर्माण कार्य, आजीविका से जुड़े अधोसंरचना और स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल की मांग की थी। सुकमा वो जगह थी जहां लोग दिन में भी दरभाघाटी पार कर आने से डरते थे और आज रात को भी मोटरसाइकिल से आते-जाते हैं। यह क्षेत्र अब आवागमन की सुरक्षा की दृष्टि से भी सुगम हुआ है। छिंदगढ़ का आज ऐसा कोई गांव नहीं है जो पक्की सड़क से ना जुड़ा हो। सुकमा ब्लॉक के अधिकांश गांव पक्की सड़क से जुड़ चुके हैं। कोंटा में भी अब पहुंच मार्ग और पक्की सड़कों का निर्माण तेजी से हो रहा है। पुल-पुलिया का निर्माण लगातार जारी है। जो स्कूल बंद थे, उन्हें हमने फ़िर से शुरू करवा दिए। पहले यहां पंचायत के चुनाव नहीं होते थे पहली बार है कि सुकमा जिले के हर पंचायत के चुनाव हुए हैं।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि आज मुझे इस बात की भी खुशी है एल्मागुड़ा में 15 अगस्त को पूरा गांव बिजली से जगमगा उठा। जहां बिजली नहीं पहुंच पा रही है। वहां सोलर लाइट पहुंचाया गया इसके जरिए बिजली पहुंची है। मैं आप सभी को बताना चाहता हूं कि जिन लोगों के पास राशन कार्ड नहीं थे, आज उन्हें राशन मिल रहा है, उनका राशनकार्ड, और मजदूर कार्ड बन गया है। उन तक योजनाओं का लाभ पहुंच रहा है। यह सब आपकी इच्छाशक्ति और शासन-प्रशासन के प्रतिबद्धता से संभव हो पाया है।

इस सुदूर अंचल में आज आंगनबाड़ी केंद्र, स्कूल खुल रहे। अमृत मिशन योजना के तहत घर-घर पानी पहुंच रहा है। विकास के कार्य लगातार हो रहे हैं। मैं आप सभी को बधाई देता हूं। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि त्यौहार मनाने के लिए हम आदिवासी परब सम्मान निधि योजना के तहत 10-10 हजार रूपए दे रहे हैं। हमारी बोली, संस्कृति, परंपरा और भाषा को सहेजने का काम हमने किया है। सुकमा जिला हमारे दक्षिण छत्तीसगढ़ का प्रवेश द्वार है। ये पीछे नहीं रहना चाहिए। हम लगातार आपके हित में कार्य कर रहे हैं। विकास के काम हो रहे हैं। जिस प्रकार से सुकमा विकास के पथ पर अग्रसर हो रहा है, इस गति को रुकने नहीं देना है। आने वाले समय में भी विकास होता रहेगा।

इस अवसर पर आम सभा को आबकारी मंत्री कवासी लखमा ने भी संबोधित किया। लखमा ने कहा कि हमारी सरकार में स्वास्थ्य, शिक्षा और विकास के काम तेजी से हो रहे हैं। ज्यादा से ज्यादा लोगों को हमारी सरकार की योजनाओं का लाभ मिल रहा है। कार्यक्रम में विधायक बीजापुर विक्रम मडांवी, चित्रकोट विधायक राजमन बेंजाम, जिला पंचायत अध्यक्ष हरीश कवासी, कलेक्टर हरीश एस. पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण और अधिकारीगण उपस्थित रहे।

चेंबर अध्यक्ष अमर पारवानी का हुआ तुलादान

चेम्बर पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने धूम धाम से मनाया सदस्यता दिवस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तम गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी,विक्रम सिंहदेव,राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि दिनांक 24 सितम्बर 2023, रविवार को दोपहर 1.30 बजे चेम्बर कार्यालय में चेम्बर सदस्यता दिवस का आयोजन चै.देवीलाल व्यापार उद्योग भवन बाम्बे मार्केट, रायपुर में हर्षोल्लास के साथ किया गया।

चेम्बर प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने बताया कि कार्यक्रम में चेंबर कार्यकर्ताओं द्वारा चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी जी का पुष्पवर्षा एवं मंत्रोच्चार के साथ गर्मजोशी से स्वागत किया गया एवं चेंबर भवन में पारवानी जी का मिठाई के डब्बों से तुलादान किया गया जिसके साक्षी प्रदेश भर से आए व्यापारीगण बने। प्रदेश चेम्बर अध्यक्ष अमर पारवानी जी का जन्मदिन सदस्यता दिवस के रूप में 2021 से मनाते आ रहे हैं। आगे भसीन ने बताया कि वर्तमान तिथि तक सभी इकाईयों में सदस्यता अभियान तेजी से चल रहा था जिससे चेम्बर की सदस्य संख्या 25000 को पार करने जा रही है। यह किसी भी कार्यकाल के 3 गुना से ज्यादा है।

सदस्यता दिवस के इस शुभ अवसर पर चेंबर अध्यक्ष अमर पारवानी जी ने फीता काटकर चेंबर भवन में रेनोवेटेड नवीन चेंबर विंग्स के केबिनो का उद्घाटन किया गया जिसमे कांफ्रेन्स हाल, बाहर से आने वाले पदाधिकारियों एवं व्यापारियों के लिये विश्राम कक्ष, युवा चेम्बर, महिला चेम्बर, उद्योग चेम्बर एवं ट्रांसपोर्ट चेम्बर हेतु अलग-अलग कक्ष शामिल है। पारवानी जी का परिचय देते हुए भसीन जी ने कहा कि पारवानी जी को किसी परिचय की आवश्यकता नहीं है। प्रदेश के 12 लाख व्यापारियों के हित हेतु सदैव तत्पर रहने वाले, केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी जी द्वारा व्यापार शिरोमणि से सुसज्जित, कैट नई दिल्ली द्वारा सर्वश्रेष्ठ व्यापारी नेता से अलंकृत तथा राष्ट्रिय व्यापारी कल्याण बोर्ड में विभिन्न मंत्रालयों के बिच चेंबर को स्थान मिला जो प्रदेश के व्यापारियों के लिए हर्ष की बात है।

कार्यक्रम में अजय भसीन ने 30 माह में चेम्बर द्वारा किये गए विभिन्न उपलब्धियों से अवगत कराया और बताया कि शासन द्वारा नवगठित जिलों में भी चेंबर की जिला इकाईयां गठित कर दी गई हैं जिनकी संख्या बढ़कर 40 हो चुकी हैं तथा चेंबर इकाइयों को मिलने वाला अंशदान 50त्न तक बढाया गया है। इकाई प्रमुखों को प्रदेश उपाध्यक्ष, मंत्री के रूप में सम्मानित किया। कोरोना काल में शासन-प्रशासन से समन्वय करते हुए मुश्किल की घडी में सेतु का कार्य किया। मंडी शुल्क, उद्योगों में रिलीज रेंट, कपड़े पर जीएसटी सहित तमाम प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर व्यापारियों की मांगे पूरी हुई। जीएसटी, इनकम टैक्स इत्यादि पर समय अवधि हेतु आवश्यक समय सीमा का पुन: निर्धारण हुआ। लीज रेंट की भूमि/दुकानों को फ्री होल्ड में परिवर्तित करने हेतु शासन से मंजूरी मिली जिसका लाभ प्रदेश के व्यापारियों को मिला। चेंबर के 63 में वार्षिक सम्मेलन में मुख्यमंत्री जी ने चैंबर की 10 मांगो की घोषणा की जिसमें स्मार्ट बाजार तथा चैंबर हेतु रियायती दरों पर भूमि सहित कई महत्वपूर्ण मांगे पूरी हुई। व्यापारी कल्याण बोर्ड में प्रमुख शीर्ष पद पर चैंबर को स्थान मिला तथा अमर पारवानी जी व्यापारी कल्याण बोर्ड की सदस्य चुने गए।

403 करोड़ रुपए से अधिक लागत के विकास कार्यों की दी सौगात

बस्तर में बदलाव की बयार आगे भी जारी रहेगी: मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज अपने कोंडागांव प्रवास के दौरान आमसभा को संबोधित करते हुए कहा कि बस्तर में बदलाव की बयार आगे भी जारी रहेगी। बस्तर अब तेजी से बदल रहा है, आगे बढ़ रहा है। आप लोगों के सहयोग से इसे और आगे बढ़ाएंगे। मुख्यमंत्री ने कोंडागांव के विकास नगर स्टेडियम में आज आयोजित कार्यक्रम में कोकोड़ी में स्थापित हो रहे मक्का प्रसंस्करण संयंत्र के ट्रायल एंड टेस्टिंग के लिए मक्का खरीदी की शुरुआत की।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कोंडागांव में आयोजित आमसभा में लिंगई माता मंदिर सीढ़ी में शेड निर्माण, माकड़ी ब्लॉक के हायर सेकेण्डरी स्कूल क्षमतापुर में भवन स्वीकृति, माकड़ी ब्लॉक के हायर सेकेण्डरी स्कूल लुभा में भवन की स्वीकृति, कोण्डागांव नगर पालिका क्षेत्र में सब्जी मंडी का निर्माण, कोण्डागांव विकासखण्ड के ग्राम पंचायत मालाकोट और ग्राम पंचायत डोंगरीगुड़ा में मिनी स्टेडियम, कोण्डागांव में देवांगन एवं सतनामी समाज के लिए भवन निर्माण की घोषणा की। उन्होंने कार्यक्रम में 403 करोड़ 68 लाख रुपए के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया। इनमें 131 करोड़ चार लाख रुपए लागत के 5293 कार्यों का लोकार्पण तथा 259 करोड़ 57 लाख रुपए लागत के 813 कार्यों का शिलान्यास शामिल हैं।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने आमसभा में बताया कि राजीव गांधी किसान न्याय योजना के अंतर्गत किसानों को तीसरी किस्त का भुगतान 28 सितम्बर को किया जाएगा। विगत 21 मई को इसकी पहली किस्त और 20 अगस्त को दूसरी किस्त का भुगतान किया जा चुका है।

उन्होंने कहा कि कोंडागांव जिले में पहले किसान सस्ते में मक्का बेच देते थे। समर्थन मूल्य से 400-500 रुपए कम में किसान इसे बेचते थे। स्थानीय किसानों को मक्का का पूरा दाम दिलाने के लिए यहां एथेनॉल प्लांट की स्थापना की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मक्का प्रसंस्करण संयंत्र से जिले के 300 लोगों को रोजगार मिलेगा। संयंत्र में प्रतिदिन 80 हजार लीटर एथेनॉल का उत्पादन होगा। इसके लिए रोजाना 210 टन मक्के की जरूरत होगी। यह प्रदेश में स्थापित होने वाला पहला एथेनॉल प्लांट है। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कार्यक्रम में कहा कि हमारी सरकार लगातार आप सभी को समृद्ध करने की दिशा में काम कर रही है। हम न्याय योजनाओं के जरिए आप सभी की जेब में पैसे डालने का काम कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने नवनिर्मित अत्याधुनिक सेंट्रल लाईब्रेरी का किया लोकार्पण

सेंट्रल लाईब्रेरी से युवाओं के ज्ञान को बढ़ाने और कौशल विकास में सहायक होगी: मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज अपने कोंडागांव प्रवास के दौरान शासकीय गुंडाधुर महाविद्यालय परिसर में 6 करोड़ रूपये की लागत से नवनिर्मित सर्वसुविधायुक्त अत्याधुनिक सेंट्रल लाईब्रेरी का लोकार्पण कर जिले के युवाओं को बेहतर भविष्य की सौगात दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह लाइब्रेरी जिले के युवाओं के ज्ञान को बढ़ाने और कौशल विकास में सहायक साबित होगी, जिससे युवा अपने भविष्य को संवार सकेंगे।

इस अवसर पर आबकारी, वाणिज्यिक, उद्योग एवं जिले के प्रभारी मंत्री कवासी लखमा, अनुसूचित जाति जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग विभाग मंत्री मोहन मरकाम, बस्तर लोकसभा क्षेत्र के सांसद दीपक बैज, छत्तीसगढ़ विधानसभा के उपाध्यक्ष एवं केशकाल विधायक संतराम नेताम, जिला पंचायत के अध्यक्ष देवचंद मातलाम, सर्व आदिवासी समाज के अध्यक्ष बंगाराम सोड़ी, गोंडवाना समाज के अध्यक्ष बुधसिंह नेताम, आदिवासी समाज के विभिन्न पदाधिकारी, कलेक्टर दीपक सोनी, पुलिस अधीक्षक वाई अक्षय कुमार सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि मौजूद थे। बतादें की कोंडागांव जिले को एक एजुकेशन हब बनाने के लिए इस केन्द्रीय ग्रंथालय का शुभारंभ किया गया है । यह ग्रंथालय सभी आयु वर्ग बच्चों, युवाओं व वरिष्ठ - जनों के लिए समर्पित होगी । ग्रंथालय को सुविधा की दृष्टि से न्यूज पेपर मैगजीन जोन, किड्स जोन, डिस्कशन जोन, रीडिंग जोन में बांटा गया है ताकि पढ़ने-समझने के सभी पहलुओं को कवर कर सकें ।

आज लाइब्रेरी के साथ साथ ई - ज्ञान पोर्टल का भी लोकार्पण किया गया। इस पोर्टल के माध्यम से 128 सरकारी माध्यमिक विद्यालय और उच्च विद्यालय के पुस्तकालयों में उपलब्ध सभी पुस्तकों का एक डेटाबेस बनाया गया है, और उसे ऑनलाइन उपलब्ध कराया जा रहा है । इसके माध्यम से जिले का कोई भी विद्यार्थी या आम नागरिक, जिन्हें किसी भी किताब की जरूरत है वह घर बैठे बैठे जिले के 128 लाइब्रेरी में उपलब्ध किसी भी किताब को आबंटित करवा सकता है और उसे वह किताब खंड स्त्रोत समन्वयक के माध्यम से 7 दिन के भीतर उपलब्ध करा दिया जायेगा।

साथ ही जिले में स्वरोजगार को बढ़ावा देने हेतु इन्क्यूबेशन एवं इन्नोवेशन हब कोंडागांव का उद्घाटन किया गया। बेरोज़गारी भत्ता प्राप्त करने वाले युवाओं और स्टार्टअप्स की इच्छा रखने वाले लोगों को मार्गदशन दिया जा रहा है। इस हेतु आज राज्य के प्रमुख संस्थानों जैसे आईआईटी भिलाई, ट्रिपल आईटी नया रायपुर और हेडस्टार्ट के साथ एमओयू में हस्ताक्षर किया गया।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

बस ने ट्रक को मारी टक्कर दोनों के ड्राइवर फरार

बलौदाबाजार (ए)। डीजल डलवाकर पेट्रोल पंप से निकल रहे ट्रक को जय मां शारदा कंपनी की बस ने टक्कर मार दी। हादसे में बस में बैठे 3 यात्री घायल हो गए। घटना सिटी कोतवाली थाना के बम्हनमुडी पेट्रोल पंप के पास की है। बस कसडोल से बलौदाबाजार जा रही थी।

तेज रफ्तार बस ने ट्रक को ठोंक दिया। घटना के बाद अफरा-तफरी मच गई और यात्री बस से उतरकर बाहर निकल गए। रास्ते में आ रही दूसरी गाड़ियों से यात्री गए जबकि घायल भी दूसरी गाड़ी से इलाज कराने निकल गए। बताया जा रहा है कि चोटें मामूली होने से यात्री भी बिना झंझट में पड़ें वहां से निकल गए। घटना के बाद से ट्रक और बस के ड्राइवर यात्रियों को उनके हाल में छोड़कर भाग निकले।

पुलिस घटना की सूचना के बाद जब घटना स्थल पहुंची तो वहां सिर्फ बस और ट्रक सड़क मिले, जिन्हें पहले किनारे लगाने के बाद पुलिस दोनों वाहनों को जब्त कर थाने ले आई। वहीं इस संबध में सिटी कोतवाली प्रभारी अमित तिवारी ने बताया कि घटना स्थल पर सिर्फ ट्रक और बस टकराई हुई अवस्था में मिले थे। न तो वहां ड्राइवर था और नहीं ही कोई यात्री।

जब आसपास पूछताछ की तो पता चला कि घटना के तुरंत बाद पहले दोनों ड्राइवर गाड़ी छोड़कर भागे और वहीं बस में सवार करीब 30 से 35 यात्री बस से नीचे उतरकर दूसरी गाड़ी से चले गए। तीन यात्रियों को हल्की चोट आने से उन्होंने भी पुलिस का इंतजार नहीं किया।

नाले किनारे संदिग्ध हालत में मिला युवक का शव, जांच में जुटी पुलिस

बलौदाबाजार (ए)। बलौदाबाजार से महज 3 किमी दूर स्थित खोरसी नाल पनगांव बस्ती में एक व्यक्ति की लाश मिली है। मृतक की पहचान परसाभदेर में रहने वाले उत्तम पैकरा (40) के रूप में की गई है। युवक रायपुर में रहकर रोजी-मजदूरी करता था, मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक युवक 20 सितंबर को परिजनों से मिलने के लिए गांव आया था। 20 सितंबर को परिजनों के साथ खाना खाने के बाद टहलने के लिए घर से निकला था। काफी रात तक बेटे के वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने आसपास काफी खोजबीन की मगर कही कुछ पता नहीं चला। इसी बीच परिजनों को उत्तम की लाश पनगांव के खोरसी नाले में होने की सूचना मिली।

घटना की जानकारी मिलते ही सिटी कोतवाली थाना प्रभारी अमित कुमार तिवारी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया गया है। शरीर पर चोट के कोई निशान नहीं होने के चलते पुलिस हत्या की आशंका से इनकार कर रही है। थाना प्रभारी ने कहा कि फिलहाल मामले की जांच की जा रही है पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असल वजहों का खुलासा हो सकेगा।

तेल टीन की चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

गंडई पंडरिया (ए)। गंडई क्षेत्र में चोरी की वारदातें बढ़ती जा रही है। 23 सितंबर को प्रार्थी राजू निषाद लड्डू वाले ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया कि 21 सितंबर की रात में उसके घर ग्राम कृतबांस में अज्ञात चोर के द्वारा घर अंदर घुसकर घर में रखे तेल टीन पांच नग कीमती 8500 रुपए को चोरी कर ले गया है। मामले को विवेचना में लिया गया।

थाना प्रभारी शिव शंकर गेंदले के नेतृत्व में प्रार्थी के घर में लगे सीसी कैमरे की मदद से चोरी करने वाले आरोपी के पहने कपड़े व चप्पल की मदद से आरोपी गजेन्द्र यादव पिता स्व. झंगला यादव (23 साल) निवासी वार्ड क्रं. चार पंडरिया को कुछ घंटों में गिरफ्तार कर पूछताछ किया गया। जिस पर अपने बयान में अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर प्रार्थी के घर में रखे तेल टीन पांच नग को चोरी करना बताया। चोरी के तेल टीन को अपने घर की बाड़ी में झाड़ियों में छुपाकर रखना बताने पर आरोपी के बताए स्थान से तेल टीन को बरामद होने पर आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। एक अन्य आरोपी की पता तलाश जारी है।

गैरेज में जुआ खेलते 11 कारोबारी पकड़े गए, पुलिस ने जब्त किए दो लाख रुपए

गंज पुलिस की कार्रवाई, रात्रि गश्त के दौरान मिली सफलता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी में जुआरियों व सटोरियों पर पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। पुलिस की टीमें लगातार शहर का गश्त कर जुआरियों पर नजर रख रही है। इसी कड़ी में रेलवे स्टेशन के पास तेलघानी नाका स्थित ग्रैंड राजपूताना होटल के पीछे एक गैरेज में जुआ खेलते 11 कारोबारियों को रंगे हाथ पकड़ा। जुआ खेल रहे इन कारोबारियों के पास से पुलिस ने दो लाख नकदी समेत नौ मोबाइल बरामद किए हैं। गंज थाना पुलिस ने गिरफ्तार सभी छोटे कारोबारियों पर जुआ एक्ट के तहत प्रकरण कायम किया है।

गंज पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शनिवार-रविवार की दरम्यानी रात में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट को सूचना मिली थी कि होटल ग्रैंड राजपूताना के पीछे स्थित ट्रांसपोर्ट गैरेज में कुछ लोग जुआ खेल रहे हैं, जिस पर एएसपी सिटी लखन पटले, एएसपी क्राइम पितांबर पटेल, सीएसपी कोतवाली योगेश साहू, डीएसपी क्राइम दिनेश सिन्हा ने तत्काल गंज थाना प्रभारी और टीम को छापामार कार्रवाई के निर्देश दिए।

मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने पूरे गैरेज की घेराबंदी कर दबिश दी तो जुआ खेल रहे लोगों में हड़कंप मच गया। पुलिस से बचने कई इधर-उधर भागने लगे लेकिन किसी को बाहर नहीं निकलने दिया गया। पुलिस ने 11 जुआरियों के साथ उनके कब्जे से नकदी दो लाख नौ सौ रुपये, नौ मोबाइल, दो बाइक आदि बरामद किया। मामले में आरोपितों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम की कार्रवाई की गई।

पकड़े गए जुआरियों में यह हैं शामिल

जुआ खेलते रंगे हाथ पकड़े गए कारोबारियों में रामसागरपारा के सुमित राजाराम जैश (32), रोहित मोटवानी (27), मौदहापारा के मनीष पटेल (32), गंजपारा के नितिन राठौर (38), विकास विंग (32), देवेश कुमार(38), शिव टंडन (30), बीएसयूपी कालोनी कबीर नगर के अमन यादव (19), गोगांव, गुढ़ियारी के सोहन लाल कोसले (53), राठौर चौक के शुभम राठौर (27) और रामसागरपारा के किशोर वधवानी (28) शामिल हैं।

सरस्वती नगर क्षेत्र में भी पकड़ाए सात जुआरी

सरस्वती नगर क्षेत्र के महंत तालाब स्थित सांई मंदिर के सामने जुआ खेलते सात जुआरियों को पुलिस ने घेराबंदी कर दबोचा। इन जुआरियों के पास से नगदी 10 हजार 980 रुपये और ताशपत्ती जब्त की गई। गिरफ्तार जुआरियों में कृष्णानगर, कोटा के गणेश दास मानिकपुरी (33), मोतीलाल नगर, कोटा के सुंदर दीप (22), परशुतांडी (26) और रमेश सिन्हा (32), महंत तालाब के पास कोटा निवासी नौशाद (35), जीवन यादव (33) और डूमरतालाब के शिव भट्ट (31) शामिल हैं।

दवाइयों के खरीद-फरोख्त के नाम पर करोड़ो की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। कोतवाली पुलिस ने शनिवार को गोलबाजार निवासी मेडिकल कारोबारी से दवाई के खरीदी-बिक्री के नाम पर करीब दो करोड़ की ठगी के आरोपी शरद पांडेय निवासी कृष्णा नगर संतोषी नगर, थाना टिकरापारा रायपुर को गिरफ्तार किया है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेजा गया है।

सीएसपी विकास कुमार ने बताया कि प्रार्थी मयंक बजाज ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह गोलबाजार में दवाइयों का थोक व्यापार करता है। शरद पांडेय प्रोपराइटर स्वास्तिक मेडिकल एजेंसी रायपुर द्वारा समय-समय पर उससे दवाई की खरीदी की जाती रही। जिसके बाद वर्ष 2019 से शरद ने बड़ी मात्रा में दवाइयों की खरीदी की थी।

इसके बाद आरोपी ने प्रार्थी को अचानक भुगतान करना बंद कर दिया। इस प्रकार बकाया की राशि दो करोड़ 68 लाख एक हजार 924 रुपए तक पहुंच गई। इस मामले में थाना कोतवाली में धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर विवेचना की जा रही थी। थाना प्रभारी कोतवाली लीलाधर राठौर के नेतृत्व में टीम गठित कर टीम रायपुर रवाना की गई। छापेमारी कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

पति, पत्नी और रहस्यमयी मौतः फंदे पर लटकी मिली नवविवाहिता की लाश, जांच में जुटी पुलिस

मुंगेली। छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले में लोरमी थाना क्षेत्र अंतर्गत डोंगरिया गांव में आज उस वक्त सनसनी फैल गई, जब सुबह अपने ही पत्नी की लाश को फांसी के फंदे पर लटकते हुए खुद पति ने देखा। जानकारों के मुताबिक, फिल्मी अंदाज में रहस्यमय तरीके से नव विवाहिता की मौत हुई है। लोरमी पुलिस मृतिका के पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है, जिसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, नवविवाहिता की मौत के लिए मायके वालों ने ससुराल वालों के अलावा पति को जिम्मेदार ठहराया है।

बता दें कि, 22 दिसंबर 2022 को यानी लगभग 9 महीने पहले डोंगरिया निवासी जितेंद्र सोनी की शादी रतनपुर की 23 वर्षीय अंजली सोनी के साथ हुई थी। अब रहस्यमयी तरीके से नवविवाहिता की लाश फंदे पर लटकी मिली है। वहीं इसको लेकर मृतिका अंजली सोनी के चाचा संजय सोनी ने भतीजी की मौत के बाद ससुराल वालों के अलावा पति पर भी प्रताड़ित करने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने यह भी कहा कि, शादी के बाद पति और ससुराल वाले लड़की को मायके वालों से बात करने से मना करते थे। साथ ही खाने-पीने और सोने के लिए परेशान किया जाता था। जिसकी शिकायत कई दफा मृतिका ने अपने परिजनों से की थी।

मृतिका के चाचा ने यह भी आरोप लगाया कि जब रात में पति और पत्नी दोनों एक ही कमरे में सो रहे हैं, ऐसी स्थिति में पत्नी का ठीक उसी कमरे में सुबह फांसी के फंदे पर लटका मिलना संदिग्ध है। फिलहाल मृतिका के चाचा ने ससुराल वालों पर गला दबाकर हत्या के बाद साक्ष्य छुपाते हुए लाश को ठिकाना लगाने की नियत से फांसी के फंदे पर लटकाने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि, मृतिका के शरीर मे कई स्थानों पर मारपीट के दौरान लगे चोट के निशान भी दिखाई दिए थे।

मकान किराए पर लेने के बहाने रेकी डकैती से पहले ही पकड़े गए 6 आरोपी

बिलासपुर (ए)। एएसपी गायत्री सिंह ने बताया सभी 6 युवक उप्र से 22 सितंबर की रात रायपुर-बिलासपुर होते हुए ट्रेन से पहुंचे। इन युवकों ने दूसरे दिन 23 सितंबर को नगर में रेकी की। जांच में एक युवक परवेज से पुलिस को नक्शा मिला। जिसके संबंध में संदेही युवकों ने बताया हटरी में संचालित नत्थूलाल ज्वेलर्स के यहां डाका डालने की योजना बना रहे थे। इनक साथी राशीद खान ने दिन में मकान किराये पर लेने के बहाने ज्वेलरी शॉप की रेकी की थी, उसी के बताये अनुसार नक्शा बनाकर ये लोग डकैती डालने की योजना को अंतिम रूप दे रहे थे। पुलिस को इनके पास धारदार चाकू, पेचकस, आरी, कटर मिले।

सक्ती 7 यूपी से नगर पहुंचे 6 डकैतों ने नगर के ज्वेलरी शॉप में डकैती की योजना बनाई थी। हटरी के नत्थुलाल ज्वेलर्स के यहां डाका डालने की तैयारी इन लोगों ने की थी। एक युवक मकान किराए पर लेने के बहाने वहां पहुंचा। रेकी करते हुए नक्शा भी बनाया था। रात में हथियारों से लैस ये युवा डकैती की घटना को अंजाम देते, इससे पहले ही पुलिस की पेट्रोलिंग पार्टी की नजर इन संदेहियों पर पड़ी और उन्हें पुलिस ने हिरासत में ले लिया। जांच में पुलिस को इन युवकों के पास धारदार हथियार व नक्शा मिला।

पुलिस ने सभी छह आरोपियों को डकैती की तैयारी करने के आरोप में 399 व डकैती की नीयत से एक साथ पांच लोगों से अधिक इकट्ठा होने से धारा 402 के तहत गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

मामूली बात पर पत्नी की पिटाई से हुई मौत, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

अंबिकापुर। अंबिकापुर में एक सनकी पति ने अपनी पत्नी की पीट-पीटकर हत्या कर दी। महिला अपने परिचित के घर में मालिश करने गई थी। घर लौटते वक्त पैदल चलने से वह थक गई जिसके कारण वह एक जगह बैठ गई। थककर बैठी महिला को उसके पति ने उठकर चलने कहा लेकिन वह उठी नहीं तो उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी। जिससे उसकी मौत हो गई। मामला दरिमा थानाक्षेत्र के ग्राम लवईडीह का है।

मिली जानकारी के मुताबिक घटना शनिवार की बताई जा रही है। यहां रहने वाले विफल राम ने अपनी पत्नी रामबाई को बेरहमी से पीटा। पिटाई से पत्नी बेहोश हो गई थी। आरोपी पति अपनी पत्नी को बेहोशी की हालत में घर लेकर पहुंचा था। घर में दूसरे दिन उसकी मौत हो गई। पति ने पत्नी के गिरकर घायल होने की जानकारी दी। पुलिस और परिजनों को गुमराह किया। रामबाई के चेहरे और कनपटी पर चोट के गहरे निशान थे। मायके पक्ष के लोगों ने पति विफल राम पर हत्या का आरोप लगाया। शार्ट पीएम रिपोर्ट में पुलिस ने सिर और अंदरूनी अंगों में आई चोट के कारण उसकी मौत होना बताया। पुलिस ने मामले में धारा 302 का अपराध दर्ज किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

नशे में धुत बाइक सवार पर लगाया 29 हजार का जुर्माना, जांच के दौरान पकड़ाया बाइक चालक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में अब बिना लाइसेंस के गाड़ी चलाना महंगा पड़ सकता है। रायपुर पुलिस की चेकिंग अभियान जारी है। इसके तहत बीते दिनों एक बुलेट वाले को ट्रैफिक पुलिस ने 29 हजार रुपए का जुर्माना ठोंका है। पूरे रायपुर में चेकिंग की जा रही है। ऐसे में लोगों को अपने साथ ही गाड़ी संबंधित सभी कागजात लेकर ही निकले नहीं, तो पुलिस कार्रवाई कर सकती है।

बता दें कि मोटर यान अधिनियम के उल्लंघनकर्ता वाहन चालकों का चेकिंग किया जा रहा था। इस दौरान एक बुलेट क्रमांक CG04 MV 8574 का चालक अजीत अमलीडीह रायपुर निवासी ने लापरवाही की है। उसने सायलेंसर बदलकर बाइक चला रहा था।

इस दौरान ड्यूटी में मौजूद पुलिस ने उसे रोक लिया। चेकिंग के समय उसने कोई कागजात नहीं दिखाए। इस दौरान उसने शराब पी रखा था। एल्कोमीटर से मापने पर 255 mg/100 ml तक शराब पिया हुआ था।

बुलेट चालक के खिलाफ बिना लायसेंस के वाहन चलाना, नशे की हालत में वाहन चलाना, बिना बीमा के वाहन चलाना इस प्रकार मोटरयान अधिनियम की धारा 3/181, 185, 146/196 के तहत 29 हजार रुपए की जुर्माना लगाया गया। इस लिए बाइक पर नाईट आउट समेत बिना कागजात के गाड़ी चलाने पर कार्रवाई हो रही है।

ऐसे बचें

- यातायात नियमों का पालन कर वाहन चलाए।
- वाहन के संपूर्ण कागजात सहीं रखे।
- बिना लाइसेंस धारी व्यक्ति को वाहन चलाने ना दें।
- नशे की हालत में वाहन न चलाए।
- वाहन के मूल स्वरूप में कोई भी परिवर्तन ना करें।
- इसे परहेज करने पर मोटरयान अधिनियम के तहत चालानी कार्रवाई की जाएगी।

ड्राइवर से मारपीट कर ई-रिक्शा भी लूटकर भाग गए बदमाश

अंबिकापुर (ए)। शहर से लगे साड़बार इलाके से एक ड्राइवर से बदमाशों ने मारपीट की और उसका ई-रिक्शा लूटकर फरार हो गए। पुलिस ने बताया कि मायापुर निवासी गणेश प्रसाद सोनी ई- रिक्शा चलाता है। शुक्रवार को मनोज और विक्की दो युवक उसकी ऑटो में बैठे और पूरे दिन इधर-उधर शहर में घुमाते रहे। शाम को उसे सांड़बार ले गए। वहां खाने की बात करते हुए गणेश को पीछे बैठाकर एक युवक खुद ऑटो चलाने लगा। उसने विरोध किया तो मारपीट कर उसे उतार दिए और उसका ई-रिक्शा लेकर भाग गए। बदमाशों ने उसका आधार कार्ड, पेन कार्ड भी लूट लिए। पुलिस ने मामले में बदमाशों के खिलाफ लूट का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026,
8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बड़ौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

अब घर का सपना साकार
कर रही छत्तीसगढ़ सरकार

आवास न्याय सम्मेलन

25 सितम्बर 2023, दोपहर 2 बजे

फायर एवं एसडीआरएफ मैदान, परसदा (सकरी)
विकासखंड तखतपुर, बिलासपुर

माननीय सांसद

श्री राहुल गांधी जी

की गरिमामयी उपस्थिति में

- छत्तीसगढ़ ग्रामीण आवास न्याय योजना के **30,000 हितग्राहियों** को आवास स्वीकृति पत्र का वितरण
- पीएमएवाय (ग्रामीण) के **1 लाख हितग्राहियों** को **25-25 हजार रु** के मान से प्रथम किस्त का वितरण
- मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक आवास सहायता योजना के **500 हितग्राहियों** को **1-1 लाख रु** की राशि का वितरण
- विभिन्न जिलों के **2,594 शिक्षकों** को नियुक्ति पत्र
- नगरीय क्षेत्रों में **1,117 वन अधिकार पत्रों** का वितरण
- बिलासपुर जिले में **524.33 करोड़ रु** की लागत वाले 185 विकास व निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन

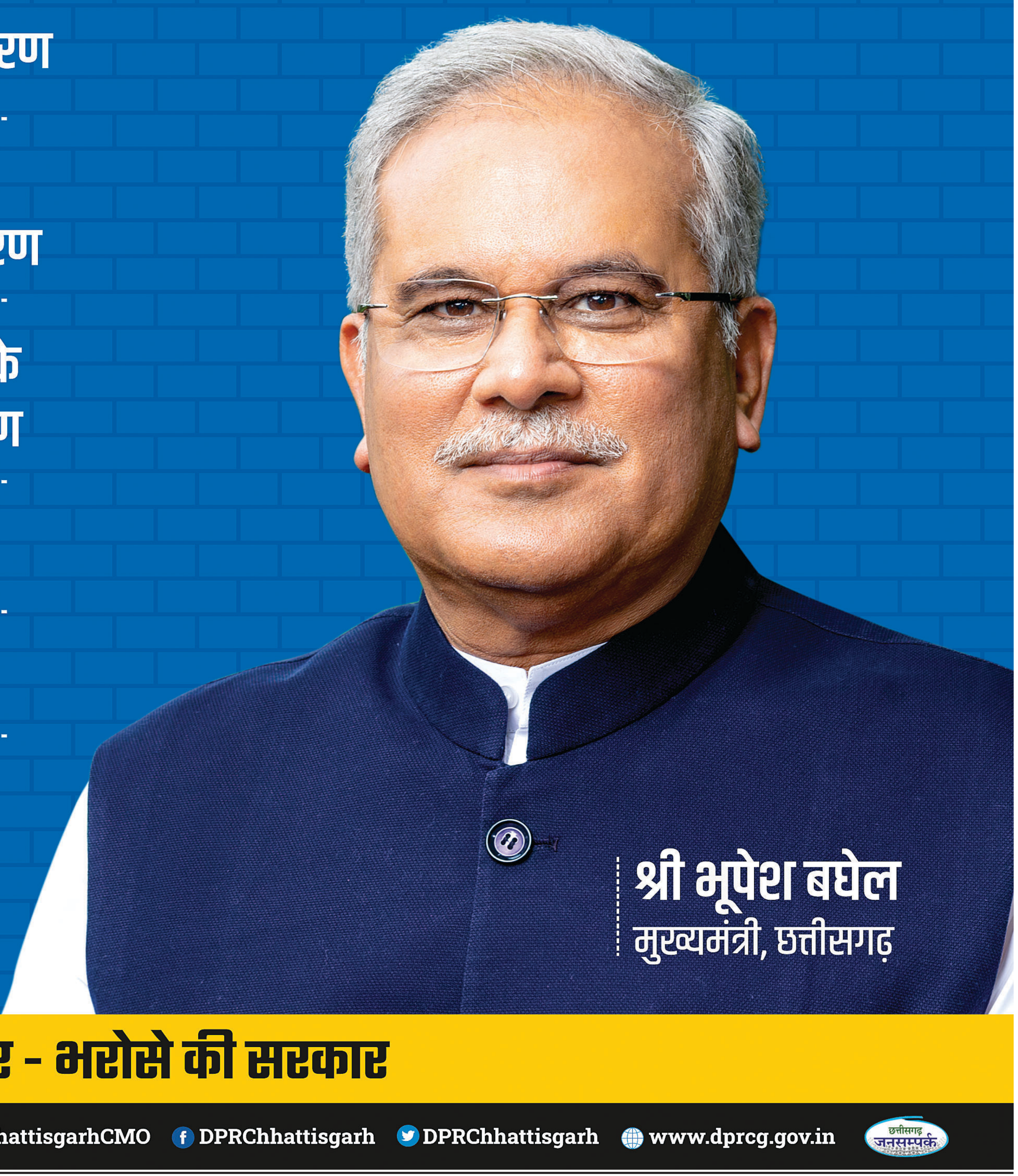

श्री भूपेश बघेल
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

RO-38653/66

छत्तीसगढ़ सरकार - भरोसे की सरकार

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950